



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 334]
No. 334]नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 23, 2019/आश्विन 1, 1941
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 23, 2019/ASVINA 1, 1941

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 23 सितम्बर, 2019

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) विनियम, 2019

सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2019/36.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 11 की उप-धारा (1), धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (खक) तथा धारा 12 की उप-धारा (1) एवं (1क) के साथ पठित धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा, और निक्षेपागार अधिनियम, 1996 की धारा 25 के तहत, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, भारत में पोर्टफोलियो निवेश करने का प्रस्ताव करने वाले विदेशी निवेशकों के संबंध में रजिस्ट्रीकरण तथा प्रक्रियाओं हेतु ढाँचे का प्रावधान करने के लिए, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्,-

अध्याय-।

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) विनियम, 2019 कहा जा सकेगा।
- (2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त (लागू) होंगे।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, यहाँ परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं, और उनके साजातीय पदों तथा रूपभेदों का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा,-

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी एक्ट, 1992) अभिप्रेत है;

(ख) "समुचित रूप से विनियमित (रेग्यूलेटेड) एंटिटी" से ऐसी एंटिटी अभिप्रेत है, जिसका विनियमन (रेग्यूलेशन) उसके अपने देश के प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज मार्केट) के विनियामक (रेग्यूलेटर) या बैंकिंग विनियामक द्वारा या किसी अन्य द्वारा किया जाता हो, उसी रूप में जिसमें वह भारत में निवेश करने का प्रस्ताव करता हो;

(ग) "बोर्ड के साथ द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन" से बोर्ड और भारत से बाहर के किसी प्राधिकरण के बीच किया गया ऐसा द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन अभिप्रेत है, जिसमें जानकारी साझा करने की व्यवस्था के संबंध में प्रावधान हो, जैसा अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (झख) के तहत उल्लेख किया गया है;

(घ) "बोर्ड" से अधिनियम की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;

(ङ) "प्रमाणपत्र" से इन विनियमों के तहत बोर्ड की ओर से अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) द्वारा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक को प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;

(च) "नियंत्रण" में शामिल है - अधिकांश निदेशकों (डायरेक्टर्स) को नियुक्त करने का अथवा प्रबंध-मंडल (प्रबंधन / मैनेजमेंट) के निर्णयों या नीतिगत निर्णयों को नियंत्रित करने का अधिकार, जिसका प्रयोग, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी व्यक्ति द्वारा या अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा किया जा सकता है, जिसमें वह नियंत्रण शामिल है जो शेयरधारिता (शेयरहोल्डिंग) या प्रबंधन संबंधी अधिकारों अथवा शेयरधारक करारों (एग्रीमेंट) या मतदान संबंधी करारों की वजह से या किसी अन्य प्रकार से हासिल हो;

(छ) "अभिरक्षक" (कस्टोडियन) से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अभिरक्षक) विनियम, 1996 के तहत रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ज) "नामित बैंक" (डेसिग्नेटेड बैंक) से भारत में अनुसूचित बैंक (शेड्यूल्ड बैंक) अभिप्रेत है, जिसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बैंककार (बैंकर) के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो;

(झ) "अभिहित निक्षेपागार सहभागी" (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) से वह व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे इन विनियमों के अध्याय-॥ के तहत बोर्ड द्वारा मंजूरी प्रदान की गई हो;

(ज) "विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे इन विनियमों के अध्याय-॥ के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया हो और जिसे अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) समझा जाएगा;

(ट) "फॉर्म" से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्राप्त करने के लिए आवेदन फॉर्म अभिप्रेत है, जैसा भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया हो या बोर्ड द्वारा निर्धारित किया गया हो;

(ठ) “अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र” या “आईएफएससी” का वही अर्थ होगा, जो विशेष आर्थिक जोन अधिनियम, 2005 (स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन्स एक्ट, 2005) की धारा 2 के खंड (थ) में इसके लिए नियत है;

(ड) “निवेश प्रबंधक” (इन्वेस्टमेंट मैनेजर) के अंतर्गत, निवेश प्रबंधन (इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट) की भूमिका निभाने वाली या ऐसी ही कोई अन्य भूमिका निभाने वाली एंटिटी शामिल होगी, जिसमें न्यासी (ट्रस्टी) शामिल हैं (हैं);

(ढ) “अनिवासी भारतीय” और “भारत के विदेशी नागरिक” (ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया) का वही अर्थ होगा, जो इन शब्दों के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999) के तहत बनाए गए विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर के निवासी किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) विनियमावली, 2017 [फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (ट्रांसफर ऑरइश्यू ऑफ सिक्यूरिटी बाय ए पर्सन रेसिडेन्ट आउटसाइड इंडिया) रेग्यूलेशन्स, 2017] के विनियम 2 के तहत इनके लिए नियत हैं;

(ण) “अपतटीय व्युत्पन्नी लिखत” (ऑफशोर डिरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट) से कोई ऐसी लिखत (इंस्ट्रूमेंट) [चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए] अभिप्रेत है, जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा भारत में, उसकी अंडरलाइंग के रूप में, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा धारित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) के प्रति विदेश में जारी (निर्गमित / इश्यू) किया जाता है;

(त) “निवासी भारतीय” का वही अर्थ होगा, जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999) के तहत शब्दों “भारत में निवासी व्यक्ति” के लिए नियत है;

(थ) “अनुसूची” से इन विनियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(द) ‘स्टॉक एक्सचेंज’ से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956] के तहत मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए और अपरिभाषित, किंतु अधिनियम या विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999, कंपनी अधिनियम, 2013, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) एक्ट, 1956], निक्षेपागार अधिनियम, 1996 [डिपॉज़िटरीज़ एक्ट, 1996] या उनके तहत बनाए गए नियमों तथा विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे, जो उन अधिनियमों या नियमों या विनियमों (रेग्यूलेशन्स) या उनके किसी कानूनी संशोधन या उनकी पुनःअधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों।

अध्याय-॥

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रजिस्ट्रीकरण

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन

3. (1) कोई भी व्यक्ति विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में तब तक प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को नहीं खरीदेगा, नहीं बेचेगा या उनमें अन्यथा लेनदेन (डील) नहीं करेगा, जब तक कि वह बोर्ड की ओर से अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) द्वारा प्रदान किया गया प्रमाणपत्र प्राप्त न कर ले।

स्पष्टीकरण – आस्ति प्रबंध कंपनी (असेट मैनेजमेंट कंपनी) द्वारा लाई गई जिस अपतटीय निधि (ऑफशोर फंड) को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 [सेबी (म्यूचुअल फंड्स) रेग्यूलेशन्स, 1996] के अनुसार

अनापत्ति प्रमाणपत्र मिल गया हो, उससे यह अपेक्षित होगा कि वह, भारत में प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में निवेश करने के लिए, इन विनियमों के अधिसूचित होने की तारीख से एक सौ अस्सी दिनों के भीतर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्राप्त कर ले।

(2) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए आवेदन अभिहित निक्षेपागार सहभागी को, सरकार या बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाने वाले फॉर्म में, किया जाएगा, और जिसके साथ दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित फीस लगाई जाएगी।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक हेतु पात्रता मानदंड

4. अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए किए गए आवेदन पर तब विचार करेगा, जब आवेदक निम्नलिखित शर्तें पूरी करे, अर्थात्:-

- (क) आवेदक निवासी भारतीय न हो;
- (ख) आवेदक अनिवासी भारतीय न हो या भारत का विदेशी नागरिक (ओवरसीज़ सिटीज़न ऑफ इंडिया) न हो;
- (ग) अनिवासी भारतीय या भारत के विदेशी नागरिक या निवासी भारतीय आवेदक के घटक हो सकते हैं, बशर्ते कि वे बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली शर्तें पूरी करें;
- (घ) आवेदक उस देश का निवासी हो, जिसके प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के विनियामक (रेग्यूलेटर) ने इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सिक्यूरिटीज़ कमीशन के बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन (परिशिष्ट-ए हस्ताक्षरकर्ता) पर हस्ताक्षर किए हुए हों या बोर्ड के साथ द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हुए हों: परंतु यह कि यदि आवेदक सरकार हो या सरकार से संबंधित निवेशक हो, तो उसे रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र माना जाएगा, यदि आवेदक किसी ऐसे देश का निवासी हो जिसके संबंध में भारत सरकार द्वारा मंजूरी दी जाए;
- (ङ) यदि आवेदक बैंक हो, तो वह उस देश का निवासी हो, जिसका केन्द्रीय बैंक (सेंट्रल बैंक) बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स का सदस्य हो: परंतु यह कि यदि आवेदक केन्द्रीय बैंक हो, तो उसके लिए बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स का सदस्य होना जरूरी नहीं है;
- (च) आवेदक या उसके अंडरलाइंग निवेशक, जिनकी आवेदक के कॉर्पस में पद्धीस प्रतिशत या उससे अधिक की हिस्सेदारी हो अथवा नियंत्रण के आधार पर जिनकी पहचान ऐसे व्यक्तियों के रूप में की गई हो, ऐसा (ऐसे) व्यक्ति नहीं होगा (होंगे) जिसके (जिनके) नाम का उल्लेख संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूनाइटेड नेशन्स सिक्यूरिटी काउंसिल) द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाने वाली अनुशास्त्रियों संबंधी सूची (सैक्शन्स लिस्ट) में हो और वह (वे) ऐसे देश से न हो (हों) जिसकी पहचान वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की सार्वजनिक घोषणा में:

 - (i) ऐसे देश के रूप में हो, जिसकी धन-शोधन निवारण से संबंधित नीतियों में खामियाँ हों या जो आतंकवाद का वित्तपोषण करने संबंधी स्थितियों से जूझ रहा हो और जिसे इनके खिलाफ कदम उठाने हों; या
 - (ii) ऐसे देश के रूप में हो, जिसने खामियों को दूर करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाए हों या जो खामियों को दूर करने के लिए वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के साथ मिलकर बनाई गई कार्य-योजना (एक्शन प्लान) के प्रति प्रतिबद्ध न हो;

- (छ) आवेदक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 [सेबी (इंटरमीडियरीज़) रेग्यूलेशन्स, 2008] की अनुसूची-॥ में निर्धारित मानदंडों के आधार पर 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' हो;
- (ज) बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाने वाले कोई अन्य मानदंड;

परंतु यह कि खंड (क), (घ) एवं (ङ) उस आवेदक पर लागू नहीं होंगे, जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र में निगमित (इनकारपोरेटेड) या स्थापित हो ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के प्रवर्ग

5. जो आवेदक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण की मांग करता हो, वह निम्नलिखित में से किसी एक प्रवर्ग के लिए या किसी अन्य प्रवर्ग (जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए) आवेदन कर सकेगा-

(क) "प्रवर्ग-। का विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक" जिसमें शामिल हैं -

- (i) सरकार और सरकार से संबंधित निवेशक जैसे केन्द्रीय बैंक, राष्ट्रिक धन निधियाँ (सॉवरिन बेल्थ फंड्स), अंतरराष्ट्रीय या बहुपक्षीय संगठन या एजेंसियाँ, जिनमें वे एंटिटियाँ भी शामिल हैं जिनका नियंत्रण या, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, कम से कम 75% स्वामित्व ऐसी सरकार और सरकार से संबंधित निवेशक (निवेशकों) के पास हो;
- (ii) पेंशन निधियाँ और विश्वविद्यालय निधियाँ (यूनिवर्सिटी फंड);
- (iii) समुचित रूप से विनियमित (रेग्यूलेटेड) एंटिटियाँ, जैसे बीमा या पुनर्बीमा एंटिटियाँ, बैंक, आस्ति प्रबंध कंपनियाँ (असेट मैनेजमेंट कंपनी), निवेश प्रबंधक (इन्वेस्टमेंट मैनेजर), निवेश सलाहकार (इन्वेस्टमेंट एडवाइजर), पोर्टफोलियो प्रबंधक (पोर्टफोलियो मैनेजर), ब्रोकर डीलर और स्वैप डीलर;
- (iv) ऐसी एंटिटियाँ जो वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के सदस्य देशों से हों, जो -

- I. समुचित रूप से विनियमित निधियाँ (रेग्यूलेटेड फंड्स) हों;
- II. अविनियमित निधियाँ (अनरेग्यूलेटेड फंड्स) हों, जिनका निवेश प्रबंधक (इन्वेस्टमेंट मैनेजर) समुचित रूप से विनियमित हो और प्रवर्ग-। के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो:

परंतु यह कि ऐसी अविनियमित निधि द्वारा जो कुछ भी किया जाए या जो कुछ न किया जाए, उसकी जिम्मेदारी निवेश प्रबंधक की रहेगी;

- III. ऐसे विश्वविद्यालयों के विश्वविद्यालय से संबंधित विन्यास (एन्डाउमेंट), जो पाँच वर्षों से ज्यादा पुराने हों;

(v) ऐसी एंटिटी (क) जिसका निवेश प्रबंधक वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के सदस्य देश से हो और ऐसा निवेश प्रबंधक प्रवर्ग-। के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो; या (ख) जिसका, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, कम से कम पचहत्तर प्रतिशत स्वामित्व (ओनरशिप) ऐसी अन्य एंटिटी के पास हो, जो इस विनियम के खंड (क) के उप-खंड (ii), (iii) एवं (iv) के तहत पात्र हो और ऐसी पात्र एंटिटी वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के सदस्य देश से हो:

परंतु यह कि इस उप-खंड के तहत रजिस्ट्रीकरण की मांग करने वाले आवेदकों द्वारा जो कुछ भी किया जाए या जो कुछ न किया जाए, उसकी जिम्मेदारी ऐसे निवेश प्रबंधक या ऐसी पात्र एंटिटी की रहेगी।

(ख) "प्रवर्ग-॥ के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक" में वे सभी निवेशक शामिल होंगे, जो प्रवर्ग-। के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में पात्र न हों, जैसे-

- (i) समुचित रूप से विनियमित निधियाँ (रेग्यूलेटेड फंड्स), जो प्रवर्ग-। की विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में पात्र न हों;
- (ii) विन्यास (एन्डाउमेंट) एंव प्रतिष्ठान (फाउंडेशन);
- (iii) पूर्त संगठन (चैरिटेबल ऑर्गनाइजेशन);
- (iv) निगमित निकाय (कारपोरेट बॉर्डी);
- (v) कौटुंबिक कार्यालय (फैमिली ऑफिस);
- (vi) व्यक्ति;
- (vii) समुचित रूप से विनियमित एंटिटियाँ, जो अपने ग्राहक (क्लाइंट) की ओर से, बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली शर्तों के अनुसार, निवेश करती हों;
- (viii) अविनियमित निधियाँ (अनरेग्यूलेटेड फंड्स), जो सीमित भागीदारी (लिमिटेड पार्टनरशिप), न्यास (ट्रस्ट), आदि के रूप में हों;

स्पष्टीकरण: अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र (इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेंज़ सेंटर) में निगमित या स्थापित आवेदक को समुचित रूप से विनियमित समझा जाएगा।

जानकारी देना और व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व

- 6.(1) बोर्ड या अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) आवेदक से ऐसी और जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा, जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए जरूरी समझा जाए।
- (2) आवेदक या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि बोर्ड या अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए, प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के संबंध में व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए उनके समक्ष हाजिर होगा।

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

- 7.(1) अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) बोर्ड की ओर से आवेदक को पहली अनुसूची में यथा निर्धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र (जिस पर नेशनल सिक्यूरिटीज़ डिपॉज़िटरीज़ लिमिटेड द्वारा दी गई रजिस्ट्रीकरण संख्या का उल्लेख होगा) प्रदान कर सकेगा, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाए कि आवेदक पात्र है और इन विनियमों में दी हुई अपेक्षाएँ पूरी करता है।
- (2) अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) यह प्रयास करेगा कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु किए गए आवेदन का निपटारा, यथासंभव जल्द से जल्द किंतु अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा आवेदन प्राप्त किए जाने के पश्चात् या विनियम 6 के तहत मांगी गई जानकारी प्रस्तुत कर दिए जाने के पश्चात्, जो भी बाद में हो, तीस दिनों के भीतर करे।
- (3) आवेदक को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान कर दिए जाने के बाद, अभिहित निक्षेपागार सहभागी आवेदक से प्राप्त फीस (जिसका उल्लेख दूसरी अनुसूची के भाग-क में किया गया है) बोर्ड को प्रेषित कर देगा।
- (4) यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण की मांग करने वाले आवेदक को अपने आवेदन के बारे में कोई शिकायत हो या यदि इस विनियम के किसी प्रावधान की व्याख्या को लेकर अभिहित निक्षेपागार सहभागी की कोई शंका हो, तो वह उपयुक्त अनुदेशों के संबंध में बोर्ड से संपर्क कर सकेगा।

(5) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का रजिस्ट्रीकरण तब तक मान्य रहना चाहिए, जब तक भारत में प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) या व्युत्पन्नी (डेरिवेटिव) में उसकी धारिता (होल्डिंग) रहे:

परंतु यह कि ऐसा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जिसका रजिस्ट्रीकरण मान्य न हो और जो भारत में प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) या व्युत्पन्नी (डेरिवेटिव) धारित (होल्ड) कर रहा हो, उसे इन विनियमों के प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष के भीतर ऐसी प्रतिभूतियों को बेचने की या व्युत्पन्नियों (डेरिवेटिव) में अपनी ओपन पोज़ीशन को वाइंड-अप करने की अनुमति होगी।

अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन

8. (1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में कार्य करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु किए गए ऐसे आवेदन को त्रुटिपूर्ण समझा जाएगा, जो सभी प्रकार से पूर्ण न हो या जो किसी भी मामले विशेष में ज्ञाठा या भ्रामक पाया जाता है या जो इन विनियमों में निर्धारित अपेक्षाएँ पूरी न करता हो, और ऐसा आवेदन अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा नामंजूर किए जाने का दायी होगा:

परंतु यह कि ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पूर्व, आवेदक को, अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा यथा निर्धारित समय के भीतर, सुनवाई का उचित अवसर और त्रुटि को दूर करने का उचित अवसर प्रदान किया जाएगा।

(2) आवेदन को नामंजूर किए जाने के निर्णय की सूचना अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा आवेदक को लिखित रूप में उन आधारों का उल्लेख करते हुए दी जाएगी, जिनके आधार पर आवेदन नामंजूर किया गया हो।

(3) जो आवेदक उप-विनियम (1) के तहत दिए गए अभिहित निक्षेपागार सहभागी के निर्णय से असंतुष्ट हो, वह उप-विनियम (2) के तहत सूचना प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर, अभिहित निक्षेपागार सहभागी को उसके निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए आवेदन कर सकेगा:

परंतु यह कि पुनर्विचार हेतु किए गए ऐसे आवेदन पर बोर्ड द्वारा विचार नहीं किया जाएगा, जिसे तकनीकी कारणों की वजह से नामंजूर किया गया हो, जैसे पूरी जानकारी, दस्तावेज़ प्रस्तुत न करना (जिसमें निर्धारित की गई फीस अदा न करना भी शामिल है)।

(4) बोर्ड, यथासंभव जल्द से जल्द, उप-विनियम (3) के तहत पुनर्विचार हेतु किए गए आवेदन में किए गए निवेदनों पर विचार करने के बाद और सुने जाने का उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात्, अपना निर्णय आवेदक को लिखित रूप में सूचित करेगा।

प्रमाणपत्र निलंबित किया जाना, रद्द किया जाना करण या उसे वापस सौंपना (उसे सरंडर / अभ्यर्पित किया जाना)

9. (1) अधिनियम, इन विनियमों और उनके अधीन जारी किए गए परिपत्रों (सर्कुलर्स) का पालन किए जाने के अध्यधीन, बोर्ड की ओर से अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा इन विनियमों के तहत प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण तब तक स्थायी रहेगी, जब तक कि उसे बोर्ड द्वारा निलंबित न कर दिया जाए या रद्द न कर दिया जाए अथवा उसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा वापस न सौंप दिया जाए (सरंडर / अभ्यर्पित न कर दिया जाए)।

(2) इन विनियमों के तहत बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को निलंबित किए जाने या उसे रद्द किए जाने के संबंध में कार्यवाही उसी प्रकार की जाएगी, जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 [सेबी (इंटरमीडियरीज़) रेग्युलेशन्स, 2008] के अध्याय-V में उल्लेख किया गया है।

(3) जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक रजिस्ट्रीकरण जारी रखने के संबंध में नियत तारीख तक फीस अदा करने में असफल रहता हो और ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के पास भारत में कोई नकदी (कैश) या प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) या डेरिवेटिव

पोज़ीशन न हो, तो ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के बारे में यह समझा जाएगा कि उसने अपने रजिस्ट्रीकरण को वापस सौंपने (के अभ्यर्पण) के लिए आवेदन कर दिया है और ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट), बोर्ड से मंजूरी प्राप्त करने के बाद, इस प्रकार रजिस्ट्रीकरण वापस सौंपे जाने के संबंध में आगे कार्यवाही करेगा ।

(4) जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वापस सौंपना (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अभ्यर्पित करना) चाहता हो, वह इस प्रकार रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वापस सौंपने के संबंध में अभिहित निक्षेपागार सहभागी के पास निवेदन कर सकेगा और जो बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वापस सौंपने (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अभ्यर्पित करने) के संबंध में स्वीकृति देगा ।

(5) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वापस सौंपने (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अभ्यर्पित करने) के संबंध में स्वीकृति देते समय, अभिहित निक्षेपागार सहभागी ऐसी शर्तें लगा सकेगा जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएँ ।

अध्याय-III

अभिहित निक्षेपागार सहभागी की मंजूरी

अभिहित निक्षेपागार सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए आवेदन

10. (1) कोई भी व्यक्ति अभिहित निक्षेपागार सहभागी (डेसिग्नेटेड डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) के रूप में तब तक कार्य नहीं करेगा, जब तक कि उसने बोर्ड की मंजूरी प्राप्त न कर ली हो ।

(2) अभिहित निक्षेपागार सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए मंजूरी हेतु आवेदन बोर्ड को उस निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) के माध्यम से किया जाएगा जिसके साथ आवेदक ने सहभागी (पार्टिसिपेंट) के रूप में कार्य करने के संबंध में करार (एग्रीमेंट) किया हुआ हो, और आवेदन के साथ दूसरी अनुसूची के भाग-ख में उल्लिखित आवेदन फीस लगाई जाएगी, जो उसी प्रकार अदा की जाएगी जैसा उसमें उल्लेख किया गया है ।

(3) निक्षेपागार बोर्ड को आवेदन, यथासंभव जल्द से जल्द, किंतु निक्षेपागार द्वारा आवेदन प्राप्त किए जाने की तारीख से तीस दिनों के भीतर, अपनी सिफारिशों के साथ और यह प्रमाणित करते हुए भिजवाएगा कि सहभागी (पार्टिसिपेंट) ने पात्रता मानदंडों (जैसा इन विनियमों में उल्लेख है) को पूरा कर लिया है ।

अभिहित निक्षेपागार सहभागी हेतु पात्रता मानदंड

11. (1) बोर्ड अभिहित निक्षेपागार सहभागी के रूप में मंजूरी प्रदान करने हेतु किए गए आवेदन पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक कि आवेदक निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं कर लेता,

- (क) आवेदक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 1996 के तहत रजिस्ट्रीकृत निक्षेपागार सहभागी (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) हो;
- (ख) आवेदक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अभिरक्षक) विनियम, 1996 के तहत रजिस्ट्रीकृत अभिरक्षक (कस्टोडियन) हो;
- (ग) आवेदक विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999) के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्राधिकृत प्राधिकृत व्यापारी (अथॉराइज़ड डीलर) प्रवर्ग-। बैंक हो;
- (घ) आवेदक की उपस्थिति अनेक देशों में, या तो उसकी शाखाओं के माध्यम से या उन विदेशी मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) के साथ एजेंसी संबंधों के माध्यम से हो, जो अपने-अपने देशों में विनियमित (रेग्यूलेटेड) हों;

(ङ) आवेदक के पास वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्म) के मानकों, धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 [प्रीवेंशन ऑफ मनी लौंडरिंग एक्ट, 2002], उसके अधीन निर्धारित किए गए नियमों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए परिपत्रों (सर्कुलर्स) में दी हुई अपेक्षाओं का पालन करने के लिए प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएँ हों;

(च) आवेदक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 की अनुसूची-II में निर्धारित मानदंडों के आधार पर 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' हो; और

(छ) कोई अन्य मानदंड, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाएँ।

(2) इस विनियम के उप-विनियम (1) में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, बोर्ड, अभिहित निष्केपागार सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए मंजूरी प्रदान किए जाने हेतु, ऐसी एंटिटी की ओर से किए गए आवेदन पर विचार कर सकेगा, जो भारत में विनियमित (रेग्यूलेटेड) हो या उसके अपने देश में विनियमित हो, बर्ते कि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाए कि आवेदक के पास अभिरक्षक संबंधी सेवाएँ (कस्टोडियल सर्विसेज) प्रदान करने का पर्याप्त अनुभव है और यह कि ऐसी मंजूरी प्रदान करना प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के विकास के हित में है:

परंतु यह कि ऐसी एंटिटी बोर्ड से सहभागी (पार्टिसिपेंट) तथा अभिरक्षक (कस्टोडियन) के रूप में रजिस्ट्रीकृत होगी, और जिसका प्राधिकृत व्यापारी प्रवर्ग-। बैंक के साथ गठबंधन (टाई-अप) होगा।

जानकारी, स्पष्टीकरण देना और व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व

12. (1) बोर्ड आवेदक या निष्केपागार, जिसका आवेदक सहभागी (पार्टिसिपेंट) हो, से ऐसी और जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा, जो अभिहित निष्केपागार सहभागी के रूप में कार्य करने की मंजूरी प्रदान किए जाने के लिए जरूरी समझी जाए।

(2) आवेदक या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि बोर्ड द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए, मंजूरी प्रदान किए जाने के संबंध में व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए उसके समक्ष हाजिर होगा।

अभिहित निष्केपागार सहभागी को मंजूरी प्रदान किए जाने की प्रक्रिया

13.(1) इन विनियमों के विनियम 10 के तहत किए गए आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, बोर्ड आवेदक को मंजूरी प्रदान कर सकेगा, बर्ते कि वह इस बात से संतुष्ट हो जाए कि आवेदक पात्र है और इन विनियमों में दी हुई निर्धारित अपेक्षाएँ पूरी करता है, जिनमें दूसरी अनुसूची के भाग-ख में यथा निर्धारित फीस का भुगतान करना शामिल है।

(2) बोर्ड मंजूरी प्रदान किए जाने हेतु किए गए आवेदन का निपटारा, यथासंभव जल्द से जल्द किंतु बोर्ड द्वारा आवेदन प्राप्त किए जाने के पश्चात् या विनियम 12 के तहत मांगी गई समस्त जानकारी प्रस्तुत कर दिए जाने के पश्चात्, जो भी बाद में हो, तीस दिनों के भीतर करेगा।

अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन

14. अभिहित निष्केपागार सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए मंजूरी प्रदान किए जाने हेतु किए गए ऐसे आवेदन को त्रुटिपूर्ण समझा जाएगा जो सभी प्रकार से पूर्ण न हो या जिसे किसी भी मामले विशेष में झूठा या भ्रामक पाया जाता हो, और ऐसा आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर किए जाने का दायी होगा:

परंतु यह कि, ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पूर्व, आवेदक को, बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित समय के भीतर, त्रुटि को दूर करने का उचित अवसर प्रदान किया जाएगा।

प्रक्रिया जहाँ मंजूरी प्रदान न की जाए

15. (1) जहाँ मंजूरी प्रदान किए जाने हेतु किया गया आवेदन इन विनियमों में निर्धारित अपेक्षाएँ पूरी न करता हो, वहाँ बोर्ड आवेदक को सुने जाने का उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को नामंजूर कर सकेगा।

(2) आवेदन को नामंजूर किए जाने के निर्णय की सूचना बोर्ड द्वारा आवेदक को लिखित रूप में उन आधारों का उल्लेख करते हुए दी जाएगी, जिनके आधार पर आवेदन नामंजूर किया गया हो।

(3) जो आवेदक उप-विनियम (1) के तहत दिए गए बोर्ड के निर्णय से असंतुष्ट हो, वह उप-विनियम (2) के तहत सूचना प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर, बोर्ड को उसके निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए आवेदन कर सकेगा।

(4) बोर्ड, यथासंभव जल्द से जल्द, उप-विनियम (3) के तहत पुनर्विचार हेतु किए गए आवेदन में किए गए निवेदनों को ध्यान में रखते हुए और सुने जाने का उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात्, अपना निर्णय आवेदक को लिखित रूप में सूचित करेगा।

मंजूरी की मान्यता

16. अधिनियम, इन विनियमों और इनके अधीन जारी किए गए परिपत्रों (सर्कुलर्स) का पालन किए जाने के अध्यधीन, बोर्ड द्वारा इन विनियमों के तहत प्रदान की गई मंजूरी तब तक स्थायी रहेगी, जब तक कि उसे बोर्ड द्वारा निलंबित न कर दिया जाए या वापस न ले लिया जाए अथवा उसे अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा वापस न सौंप दिए जाए (सरंडर / अभ्यर्पित न कर दिया जाए)।

मंजूरी का निलंबन या उसे वापस लिया जाना

17. जहाँ कोई अभिहित निक्षेपागार सहभागी, जिसे इन विनियमों के तहत मंजूरी प्रदान की गई हो –

(क) किन्हीं ऐसी शर्तों का पालन करने में असफल रहता हो, जिनके अध्यधीन उसे इन विनियमों के तहत मंजूरी प्रदान की गई हो;

(ख) प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉज़) के प्रावधानों अथवा उनके अधीन जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या परिपत्रों (सर्कुलर्स) में से किसी का उल्लंघन करता हो,

वहाँ बोर्ड, प्रतिभूति विधियों अथवा उसके अधीन जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या परिपत्रों के तहत की जाने वाली किसी कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आदेश के माध्यम से, अभिहित निक्षेपागार सहभागी को सुने जाने का उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात् ऐसी मंजूरी को निलंबित कर सकेगा या उसे वापस ले सकेगा।

मंजूरी को वापस सौंपना (मंजूरी का अभ्यर्पण)

18. (1) कोई अभिहित निक्षेपागार सहभागी, जिसे इन विनियमों के तहत मंजूरी प्रदान की गई हो, जो मंजूरी को वापस सौंपना (मंजूरी को अभ्यर्पित करना) चाहता हो, इस प्रकार मंजूरी को वापस सौंपने के संबंध में बोर्ड के पास निवेदन कर सकेगा।

(2) उप-विनियम (1) के तहत मंजूरी वापस सौंपे जाने (सरंडर / अभ्यर्पित किए जाने) हेतु किए गए निवेदन को स्वीकार करते समय, बोर्ड ऐसी शर्तें लगा सकेगा जैसी वह निवेशकों या अभिहित निक्षेपागार सहभागी के ग्राहकों (क्लाइंट) के संरक्षण अथवा प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के लिए ठीक समझे, और ऐसा व्यक्ति ऐसी शर्तों का पालन करेगा।

अध्याय-IV

निवेश संबंधी शर्तें और पाबंदियाँ

निवेश का प्रारंभ

19. कोई भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस अध्याय के प्रावधानों का पालन किए बिना भारत में प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में कोई निवेश नहीं करेगा।

निवेश संबंधी पाबंदियाँ

20. (1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक केवल निम्नलिखित प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में निवेश करेगा, अर्थात् -

- (क) किसी निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) द्वारा जारी किए गए शेयरों, डिबेंचरों और वारंटों में; जो भारत में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हो या सूचीबद्ध कराए जाने वाले हों;
- (ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 [सेबी (म्यूचुअल फंड्स) रेग्यूलेशन्स, 1996] के अध्याय-V, VI-क तथा VI-ख के तहत पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) द्वारा लाई गई स्कीमों की यूनिटों में;
- (ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सामूहिक विनिधान (निवेश) स्कीम] विनियम, 1999 [सेबी (कलैक्टिव इन्वेस्टमेंट स्कीम्स) रेग्यूलेशन्स, 1999] के अनुसार सामूहिक निवेश स्कीम द्वारा लाई गई स्कीमों की यूनिटों में;
- (घ) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारित (ट्रेडेड) व्युत्पन्नियों (डेरिवेटिव्ज़) में;
- (ङ) बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत रियल इस्टेट निवेश न्यासों (रियल इस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स), अवसंरचना निवेश न्यासों (इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स) की यूनिटों में और प्रवर्ग- III की आनुकलिक निवेश निधियों (ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड) की यूनिटों में;
- (च) भारतीय निक्षेपागार रसीदों [डिपॉजिटरी रिसीट्स] में;
- (छ) ऐसी ऋण प्रतिभूतियों (डैट सिक्यूरिटीज़) या अन्य लिखतों (इन्स्ट्रूमेंट) में, जैसी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों हेतु निवेश करने की अनुमति प्रदान की जाए; और
- (ज) ऐसी अन्य लिखतों (इन्स्ट्रूमेंट्स) में, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएँ।

(2) जहाँ विदेशी संस्थागत निवेशक, इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व, उस कंपनी के इक्विटी शेयरों को धारण करता हो जिसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) न हों, और ऐसे शेयरों को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (इनिशियल पब्लिक ऑफर) तथा उनकी सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के पश्चात् धारण करना जारी रखता हो, वहाँ ऐसे शेयर उतनी ही अवधि (यदि कोई हो) के लिए लॉक-इन के अध्यधीन होंगे जो ऐसी ही स्थिति में विदेशी प्रत्यक्ष निवेशक द्वारा धारित शेयरों के प्रति लागू है [विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के संबंध में उस समय प्रवृत्त (लागू) भारत सरकार की नीति के तहत]।

(3) उप-विनियम (2) में दी हुई किसी भी बात के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि वह किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों, किसी विनियम या दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) के लागू होने पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(4) द्वितीयक बाजार (सेकंडरी मार्केट) में निवेशों की बाबत, निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तें लागू होंगी:

- (क) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक खरीदी गई या बेची गई प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की सुपुर्दगी (डिलीवरी) लेने तथा देने के आधार पर ही भारत में प्रतिभूतियों में लेनदेन (ट्रांजैक्ट) करेगा;

(ख) खंड (क) में दी हुई कोई भी बात -

- (i) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नियों (डेरिवेटिव) में किए जाने वाले किन्हीं लेनदेनों के प्रति लागू नहीं होगी;
- (ii) बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के अनुसार मंदिया बिक्री (शॉट सैलिंग) संबंधी लेनदेनों के प्रति लागू नहीं होगी;
- (iii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2018 [सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिकायररमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2018] के अध्याय-IX के अनुसार, बाजार निर्माण (मार्केट मेकिंग) या निर्गम (इश्यू) के उस भाग में, जो अभिदत्त (सब्स्क्राइब) न हुआ हो (जिसमें पैसा न लगा हो), अभिदान करने (सब्स्क्राइब करने/पैसा लगाने) की प्रक्रिया के अंतर्गत मर्चेट बैंककार (बैंकर) के साथ किए गए करार के अनुसरण में प्रतिभूतियों में किए जाने वाले किसी लेनदेन के प्रति लागू नहीं होगी;
- (iv) बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए किसी अन्य लेनदेन के प्रति लागू नहीं होगी;

(ग) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा प्रतिभूतियों में लेनदेन (ट्रांजैक्शन) केवल बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत स्टॉक दलालों के माध्यम से ही होगा;

(घ) इस उप-विनियम के खंड (ग) में दी हुई कोई भी बात -

- (i) सरकारी प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) और ऐसी अन्य प्रतिभूतियों, जो भारतीय रिजर्व बैंक के दायरे में आती हों, में किए जाने वाले लेनदेनों (ट्रांजैक्शन्स), जो उसी प्रकार किए गए हों जैसा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित किया गया हो, के प्रति लागू नहीं होगी;
- (ii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सबस्टैशियल एक्विजीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के अनुसार अर्जनकर्ता (एक्वायरर) द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) के जवाब में प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) की बिक्री के प्रति लागू नहीं होगी;
- (iii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009 [सेबी (डीलिस्टिंग ऑफ इक्विटी शेयर्स) रेग्यूलेशन्स, 2009] के अनुसार किसी संप्रवर्तक (प्रोमोटर) या अर्जनकर्ता (एक्वायरर) द्वारा लाए गए प्रस्ताव (ऑफर) के जवाब में प्रतिभूतियों की बिक्री के प्रति लागू नहीं होगी;
- (iv) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक)] विनियम, 2018 के अनुसार, प्रतिभूतियों की बिक्री के प्रति लागू नहीं होगी;
- (v) भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स् या ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स् के निर्गमन (इश्यू) के माध्यम से विदेशी बाजार में भारतीय कंपनियों द्वारा शेयरों के विनिवेश (डिसइन्वेस्टमेंट) हेतु प्रभावी दिशानिर्देशों (ऑपरेटिव गाइडलाइन्स) के अनुसार भारतीय कंपनियों द्वारा प्रस्ताव के जवाब में प्रतिभूतियों की बिक्री करने [प्रतिभूतियों का निर्निहितीकरण (डाइवेस्टमेंट) करने] के प्रति लागू नहीं होगी;

(vi) केंद्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा शेयरों के विनिवेश हेतु लाए गए प्रस्ताव के जवाब में प्रतिभूतियों हेतु लगाई गई किसी बोली, या के किसी अर्जन के प्रति लागू नहीं होगी;

(vii) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2018 [सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2018] के अध्याय-IX के अनुसार, बाजार निर्माण (मार्केट मेंकिंग) या निर्गम (इश्यू) के उस भाग में, जो अभिदत्त (सबस्क्राइब) न हुआ हो (जिसमें पैसा न लगा हो), अभिदान करने (सबस्क्राइब करने/पैसा लगाने) की प्रक्रिया के अंतर्गत मर्चेंट बैंककार (बैंकर) के साथ किए गए करार के अनुसरण में प्रतिभूतियों में किए जाने वाले किसी लेनदेन के प्रति लागू नहीं होगी;

(viii) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा कारपोरेट बॉण्डों में किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी;

(ix) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रोवाइडर प्लेटफॉर्म पर किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी;

(x) असूचीगत प्रतिभूतियाँ (अनलिस्टिड सिक्यूरिटीज) [जिनका उल्लेख विनियम 20(2) में किया गया है] प्राप्त करने, धारण (होल्ड) करने और बेचने के लिए किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी और अस्वैच्छिक कंपनी कार्रवाइयों (कारपोरेट एक्शन्स) [जिनमें कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों तथा बोर्ड द्वारा जारी किए गए लागू दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अनुसार मंजूर की गई विलय (मर्जर) या अविलयन (डीमर्जर) की स्कीम शामिल हैं] के माध्यम से अथवा दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड, 2016) के तहत मंजूर की गई किसी समाधान योजना (रेजोल्यूशन प्लान) के कार्यान्वित होने के अनुसरण में अथवा ऋण समाधान (डैट रेजोल्यूशन) की स्कीम हेतु भारत सरकार या भारतीय रिज़र्व बैंक या के किसी अन्य विनियामक (रेग्यूलेटर) द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अनुसार प्राप्त असूचीगत प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) में किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी:

परंतु यह कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की ऐसी असूचीगत धारिताओं (अनलिस्टिड होल्डिंग्स) को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (फॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेंट) समझा जाएगा;

(xi) साधिकार हकदारियों (राइट एन्टाइटलटेलमेंट) के अंतरण (ट्रांसफर) हेतु किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी;

(xii) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा इलिक्ट्रिक या निलंबित या असूचीबद्ध (डीलिस्टिड) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) की खरीद या बिक्री संबंधी लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी;

स्पष्टीकरण – इलिक्ट्रिक सिक्यूरिटीज से ऐसी प्रतिभूतियाँ अभिप्रेत होंगी, जिनमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [पूँजी का निर्गमन (इश्यू) और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2018 [सेबी (इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोज़र रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2018] के अनुसार बार-बार व्यापार नहीं होता (ट्रेडिंग नहीं होती)।

(xiii) ऐसे रजिस्ट्रीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बीच हुए लेनदेनों के प्रति लागू नहीं होगी, जो एक ही हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर) के मल्टी इन्वेस्टमेंट मैनेजर स्ट्रक्चर हों और जिनकी स्थायी खाता संख्या (पैन) भी एक ही हो;

(xiv) ऐसे किसी अन्य लेनदेन (ट्रांजैक्शन) के प्रति लागू नहीं होगी, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ङ) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक केवल डीमैट रूप में ही प्रतिभूतियाँ धारण (होल्ड) करेगा या प्रतिभूतियों की सुपुर्दग्दी (डिलीवरी) करेगा या कराएगा:

परंतु यह कि, इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व, डीमैट रूप में धारित किन्हीं शेयरों को कागजी (फिजिकल) रूप में रखा जा सकेगा, यदि ऐसे शेयरों को डीमैट रूप में न किया जा सकता हो:

परंतु यह और कि साधिकार हकदारियाँ (राइट्स एन्टाइटलटेलमेन्ट्स) कागजी (नॉन-डीमैटिरियलाइज्ड) रूप में रखी या अंतरित (ट्रांसफर) की जा सकेंगी।

(5) कृष्ण प्रतिभूतियों (डैट सिक्यूरिटीज) में निवेशों की बाबत, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, इन विनियमों में निर्धारित अन्य शर्तों के अलावा, बोर्ड या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा, समय-समय पर, निर्धारित या जारी की जाने वाली शर्तों आदि या निदेशों का भी पालन करेगा।

(6) जब तक कि बोर्ड द्वारा अन्यथा मंजूरी न दे दी जाए, प्रतिभूतियाँ निक्षेपागार अधिनियम, 1996 [डिपॉजिटरीज एक्ट, 1996] की धारा 2 की उप-धारा (1) के खंड (क) में यथा परिभाषित हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर) के रूप में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के नाम से दर्ज की जाएंगी।

(7) किसी एक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (उसके निवेशक समूह सहित) द्वारा प्रत्येक कंपनी के इक्विटी शेयरों की खरीद, कंपनी की कुल समादत्त इक्विटी पूँजी (पेड-अप इक्विटी कैपिटल) ['फुल्ली डाइल्यूटेड बेसिस' पर] के दस प्रतिशत से कम होगी:

परंतु यह कि जहाँ इन विनियमों के तहत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (उसके निवेशक समूह सहित) द्वारा किया गया कुल निवेश, सूचीबद्ध (लिस्टिड) या सूचीबद्ध की जाने वाली कंपनी की कुल समादत्त इक्विटी पूँजी (पेड-अप इक्विटी कैपिटल) ['फुल्ली डाइल्यूटेड बेसिस' पर] के दस प्रतिशत की सीमा-रेखा (थ्रेस्होल्ड) को पार कर हो जाता हो, वहाँ इस प्रकार जो धारिता (होल्डिंग) अधिक हो गई हो उसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ऐसे व्यापारों (ट्रेड्स) के निपटान (सेटलमेंट) की तारीख से पाँच व्यापार के दिनों के भीतर बेच देगा (को डाइवेस्ट करेगा), जिनकी वजह से ऐसा उल्लंघन हुआ हो:

परंतु यह और कि यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस प्रकार जो धारिता (होल्डिंग) अधिक हो गई हो उसे बेचने (डाइवेस्ट करने) में असफल रहता हो, तो बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार कंपनी में ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (उसके निवेशक समूह सहित) द्वारा किए गए समस्त निवेश के बारे में यह समझा जाएगा कि वह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (फॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेंट) के तहत किया गया निवेश है, और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक तथा उसका निवेशक समूह इन विनियमों के तहत उस कंपनी में आगे और पोर्टफोलियो निवेश नहीं करेंगे।

स्पष्टीकरण-। – “निवेशक समूह” का वही अर्थ होगा, जो इन विनियमों के विनियम 22(3) के तहत दिया हुआ है।

स्पष्टीकरण-॥ – 'फुल्ली डाइल्यूटेड बेसिस' से संपरिवर्तन (कन्वर्जन) के सभी संभावित जरियों का इस्तेमाल करने के बाद बकाया शेयरों की कुल संख्या अभिप्रेत है।

(8) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकृत एंटीटी को, विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 के तहत बनाए गए विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर के निवासी किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) विनियमावली, 2017

[फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (ट्रांसफर और इश्यू ऑफ सिक्युरिटी बाय ए पर्सन रेसिडेन्ट आउटसाइड इंडिया) रेग्यूलेशन्स, 2017] के प्रावधानों के अनुसार, भारत से बाहर निवासी व्यक्ति के रूप में भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश करने की अनुमति होगी।

(9) जिन मामलों में भारत सरकार अन्य प्रभुतासंपन्न (सॉवरिन) सरकारों के साथ करार या संधियाँ करती हो और जहाँ ऐसे करार या ऐसी संधियाँ खास तौर पर कुछ एंटिटियों को सुभिन्न (डिस्टिक्ट) तथा पृथक् एंटिटियों के रूप में मान्यता देती हों, वहाँ बोर्ड, उस दौरान जब ऐसे करार या ऐसी संधियाँ मान्य रहें, उन्हें ऐसी शर्तों के अध्यधीन, जो उसके द्वारा निर्धारित की जाएं, उस रूप में मान्यता प्रदान कर सकेगा।

(10) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक प्रतिभूतियाँ उधार दे या ले सकेगा (इस संबंध में बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए ढाँचे के अनुसार)।

(11) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा किया जाने वाला निवेश ऐसी अन्य शर्तों और पारंदियों के भी अध्यधीन रहेगा, जो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएँ।

अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स) के निर्गमन (इश्युएंस) संबंधी शर्तें

21. (1) कोई भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, तब तक अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों निर्गमित (इश्यू) नहीं कर सकेगा, उनमें पैसा नहीं लगा सकेगा [अभिदान (सन्स्करण) नहीं कर सकेगा] या उनमें अन्यथा लेनदेन (डील) नहीं कर सकेगा, जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी न कर ली जाएँ:

(क) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों केवल उन्हीं व्यक्तियों को जारी (निर्गमित / इश्यू) की जाएँ, जो प्रवर्ग-1 के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकृत हों;

(ख) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों केवल उन्हीं व्यक्तियों को जारी (निर्गमित/इश्यू) की जाएँ, जो प्रवर्ग-1 के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र हों;

स्पष्टीकरण :- इस उप-विनियम के प्रयोजनार्थ, जहाँ किसी एंटिटी का कोई ऐसा निवेश प्रबंधक (इन्वेस्टमेंट मैनेजर) हो, जो वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के सदस्य देश से हो, वहाँ निवेश प्रबंधक के लिए प्रवर्ग-1 के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकृत होना जरूरी नहीं होगा;

(ग) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स), “अपने ग्राहक को जानिए” (केवाईसी) के संबंध में बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित मानदंडों का पालन करने के बाद, जारी की जाएँ।

(घ) ऐसी अन्य शर्तें, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएँ।

(2) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यह सुनिश्चित करेगा कि उसके द्वारा या उसकी ओर से जारी (इश्यू) किए गए अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स) का कोई अंतरण (ट्रांसफर), निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन किया जाएँ:

(क) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का अंतरण (ट्रांसफर) व्यक्तियों को, उप-विनियम (1) की अपेक्षाएँ पूरी किए जाने के अध्यधीन, किया जाए; और

(ख) ऐसे अंतरण (ट्रांसफर) के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की पूर्व सहमति प्राप्त कर ली जाए, उन मामलों को छोड़कर जहाँ अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों जिन व्यक्तियों को अंतरित (ट्रांसफर) की जानी हों उन व्यक्तियों के संबंध में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा पहले से ही मंजूरी प्रदान कर दी गई हो।

(3) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक उन अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों (फिर चाहे उन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाता हो) की शर्तों आदि (जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा डाली गई हों) और उनके पक्षकारों (उनकी पार्टियों) से संबंधित कोई जानकारी बोर्ड को पूर्ण रूप से प्रकट करेगा (उस समय और उस रूप में जैसा बोर्ड निर्धारित करे), जो भारत में स्थित किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) या सूचीबद्ध कराए जाने के लिए प्रस्तावित किन्हीं प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज) से संबंधित हों।

(4) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, उसके द्वारा जारी (इश्यू) की गई अपतटीय व्युत्पन्नी लिखत (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रमेंट) के प्रत्येक अभिदाता (सब्स्क्राइबर) से, दूसरी अनुसूची के भाग-ग में यथा निर्धारित विनियामक फीस (रेयूलेटरी फीस) एकत्र करेगा, और वह फीस बोर्ड के पास जमा कराएगा।

अध्याय-V

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की साधारण बाध्यताएँ और जिम्मेदारियाँ

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की साधारण बाध्यताएँ और जिम्मेदारियाँ

22. (1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक -

(क) इन विनियमों के प्रावधानों, जहाँ तक वे लागू होते हों, इनके अधीन जारी किए जाने वाले परिपत्रों (सर्कुलर्स) तथा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली किन्हीं अन्य शर्तों आदि का पालन करेगा;

(ख) बोर्ड और अभिहित निक्षेपागार सहभागी को तुरंत लिखित में सूचित करेगा, यदि बोर्ड या अभिहित निक्षेपागार सहभागी को पहले प्रस्तुत की गई कोई जानकारी या विवरण किसी भी मामले विशेष में झूठे या भ्रामक पाए जाते हैं;

(ग) बोर्ड और अभिहित निक्षेपागार सहभागी को तुरंत लिखित में सूचित करेगा, यदि उसके द्वारा बोर्ड या अभिहित निक्षेपागार सहभागी को पहले दी गई जानकारी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो जाता हो (जिसमें उसकी संरचना या स्वामित्व या नियंत्रण में प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से हुआ कोई बदलाव शामिल है);

(घ) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में अपने क्रियाकलापों के संबंध में कोई जानकारी, रिकॉर्ड या दस्तावेज प्रस्तुत करेगा, जब कभी भी बोर्ड या भारत की किसी अन्य सरकारी एजेंसी द्वारा अपेक्षा की जाए;

(ड) किसी शास्ति (पेनल्टी), लंबित मुकदमे या कार्यवाहियों, ऐसे निरीक्षणों या अन्वेषणों के निष्कर्षों के मामले में बोर्ड और अभिहित निक्षेपागार सहभागी को तुरंत सूचित करेगा, जिनके संबंध में उसके खिलाफ विदेशी विनियामक (रेयूलेटर) द्वारा कार्रवाई की जा सकती हो या कार्रवाई शुरू किए जाने की प्रक्रिया जारी हो;

(च) आय-कर विभाग से स्थायी खाता संख्या (पैन) प्राप्त करेगा;

(छ) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में अपने क्रियाकलापों के संबंध में, मौजूदा भारतीय कानूनों, समय-समय पर जारी किए जाने वाले नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों और परिपत्रों का हमेशा पालन करेगा;

(ज) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 की अनुसूची-II में निर्धारित मानदंडों के आधार पर उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति होगा;

(झ) जिस देश में गठित हुआ हो उस देश के लागू नियमों के अनुसार अपने शेयरधारकों (शेयरहोल्डर्स) / निवेशकों का आवश्यक केवाईसी करेगा;

(ज) कोई अतिरिक्त जानकारी या दस्तावेज [जिनमें उनके ग्राहकों के हिताधिकारी स्वामित्व (बेनिफिशरी ओनरशिप) संबंधी विवरण शामिल हैं] देगा, जैसी अभिहित निक्षेपागार सहभागी या बोर्ड या किसी अन्य प्रवर्तन करने वाली (इन्फोर्मेंट) एंजेसी द्वारा अपेक्षा की जाए, ताकि धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों एवं विनियमों,

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के मानकों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए परिपत्रों (सर्कुलर्स) का पालन सुनिश्चित हो सके; और

(ट) यह सुनिश्चित करेगा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा धारित प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) सभी ऋण-भारों (इन्कम्ब्रेन्स) से मुक्त हों।

स्पष्टीकरण- इस खंड के तहत, ऐसे ऋण-भार के संबंध में विचार नहीं किया जाएगा, जो किन्हीं कानूनी या विनियामक (रेग्यूलेटरी) अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सृजित हुआ हो।

(2) संयुक्त रूप से धारित निक्षेपागार खातों (डिपॉज़िटरी अकाउण्ट्स) के मामले में, प्रत्येक संयुक्त धारक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक हेतु निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करेगा और प्रत्येक के बारे में यह समझा जाएगा कि उसका विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में निक्षेपागार खाता है।

(3) एक से अधिक एंटिटियाँ, जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हों और जिनका प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से पचास प्रतिशत से अधिक समान स्वामित्व (कॉमन ओनरशिप) हो या जिनका समान नियंत्रण (कॉमन कंट्रोल) हो, को एक ही निवेशक समूह का हिस्सा माना जाएगा और ऐसी सभी एंटिटियों की निवेश सीमाओं को एकसाथ मिला दिया जाएगा तथा उन पर वही निवेश सीमा लागू होगी जो किसी एक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के लिए लागू होती है।

परंतु यह कि यदि इन विनियमों के तहत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा किए गए लेनदेन (लेनदेनों) के कारण इस सीमा का उल्लंघन हो जाता है, तो इस प्रकार जो धारिता (होल्डिंग) अधिक हो गई हो उसे ऐसे व्यापारों (ट्रेड्स) के निपटान (सेटलमेंट) की तारीख से पाँच व्यापार के दिनों के भीतर बेच दिया जाएगा (को डाइवेस्ट कर दिया जाएगा), जिनकी वजह से ऐसा उल्लंघन हुआ हो:

परंतु यह और कि यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस प्रकार जो धारिता (होल्डिंग) अधिक हो गई हो उसे बेचने (डाइवेस्ट करने) में असफल रहता हो, तो बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई प्रक्रिया के अनुसार कंपनी में ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (उसके निवेशक समूह सहित) द्वारा किए गए समस्त निवेश के बारे में यह समझा जाएगा कि वह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (फॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेंट) के तहत किया गया निवेश है, और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक तथा उसका निवेशक समूह इन विनियमों के तहत उस कंपनी में आगे और पोर्टफोलियो निवेश नहीं करेंगे।

(4) उप-विनियम (3) में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, समान नियंत्रण वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निवेश सीमा को उन मामलों में एकसाथ नहीं मिलाया जाएगा, जहाँ-

- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक समुचित रूप से विनियमित (रेग्यूलेटिड) पब्लिक रिटेल फंड हों; या
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ऐसे पब्लिक रिटेल फंड हों, जिनका अधिकांश स्वामित्व समुचित रूप से विनियमित पब्लिक रिटेल फंड के पास लूक शू आधार पर हो; या
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक पब्लिक रिटेल फंड हों और ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश प्रबंधक समुचित रूप से विनियमित हों।

स्पष्टीकरण - पब्लिक रिटेल फंड से अभिप्रेत है -

- पारस्परिक निधियाँ (म्यूचुअल फंड्स) या यूनिट ट्रस्ट, जिनमें छोटे निवेशक पैसे लगा (सब्सिप्शन कर) सकते हों और जिनमें किसी विशेष निवेशक (जैसे अक्रेडिटेड निवेशक) जैसी अपेक्षाएँ नहीं होती;
- बीमा कंपनियाँ, जहाँ एक-एक निवेशक का अलग-अलग पोर्टफोलियो नहीं रखा जाता; और
- पेंशन निधियाँ (फंड)।

(5) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की संरचना या समान स्वामित्व या नियंत्रण में प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से हुए किसी बदलाव के मामले में, यह इसकी सूचना तुरंत अपने अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी को देगा।

आचार संहिता

23. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, हमेशा उस आचार संहिता का पालन करेगा, जो इन विनियमों की तीसरी अनुसूची में निर्धारित की गई है।

अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी की नियुक्ति

24. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण की मांग करने वाला आवेदक एक अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी को नियुक्त करेगा, ताकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करने के संबंध में उसकी सेवाएँ ली जा सकें और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी तथा अभिरक्षक (कस्टोडियन) हमेशा एक ही एंटिटी रहेगी।

अभिरक्षक (कस्टोडियन) की नियुक्ति

25.(1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक या ग्लोबल अभिरक्षक, जो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की ओर से कार्य कर रहा हो, इन विनियमों के तहत कोई निवेश करने से पहले, अभिरक्षक के रूप में कार्य करने के लिए उसके द्वारा नियुक्त किए जाने वाले अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी के साथ करार करेगा।

(2) किन्तु अन्य विनियमों के तहत अभिरक्षक की बाध्यताओं के अतिरिक्त, अभिरक्षक -

- (क) निष्क्रेपागारों और बोर्ड को दैनिक आधार पर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा किए गए लेनदेनों (ट्रांजैक्शन्स) की रिपोर्ट उसी प्रकार देगा, जैसा बोर्ड या निष्क्रेपागारों द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए;
- (ख) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश पर नज़र रखेगा;
- (ग) संगत, सही और उचित रिकॉर्ड, लेखा-बहियाँ और दस्तावेज [जिनमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लेनदेनों (ट्रांजैक्शन्स) से संबंधित रिकॉर्ड भी शामिल हैं] रखेगा;
- (घ) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों, जो निवेशक समूह के भाग हों, की धारिताओं (होल्डिंग्स) की रिपोर्ट निष्क्रेपागारों को देगा और निष्क्रेपागार निवेश सीमाओं को मिला देंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन सभी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की संयुक्त धारिताएँ (होल्डिंग्स) हर समय उस कंपनी की कुल समादत्त इक्विटी पूँजी (पेड-अप इक्विटी कैपिटल) ['फुल्ली डाइल्यूटेड बेसिस' पर] के दस प्रतिशत से कम रहें जिसमें निवेश किया जाए।

अभिहित बैंक की नियुक्ति

26. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारत में कोई निवेश करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत किसी बैंक की शाखा को नियुक्त करेगा, ताकि विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित खाता (फोरेन करंसी डीनोमिनेटिड अकाउण्ट) और विशेष अनिवासी रूपया खाता (स्पेशन नॉन-रेसिडेंट रूपी अकाउण्ट) खोल सके।

अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति

27. (1) प्रत्येक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायंस ऑफिसर) की नियुक्ति करेगा, जो इस बात पर नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होगा कि अधिनियम, अभिहित निष्क्रेपागार सहभागी या बोर्ड या केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, दिशानिर्देशों और अनुदेशों का पालन किया जाए:

परंतु यह कि यदि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक व्यक्ति हो, तो ऐसा व्यक्ति इस बात पर नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होगा कि अधिनियम, अभिहित निक्षेपागार सहभागी या बोर्ड या केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, दिशानिर्देशों और अनुदेशों का पालन किया जाए।

(2) यदि अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायांस ऑफिसर) की नज़र में यह आए कि कहीं पालन नहीं हुआ है, तो वह उसकी रिपोर्ट बोर्ड या अभिहित निक्षेपागार सहभागी को तुरंत और स्वतंत्र रूप से देगा।

मीडिया (जिस तक आम जनता की पहुँच हो) के माध्यम से निवेश सलाह

28. (1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, या उसका कोई कर्मचारी, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) के बारे में कोई निवेश सलाह मीडिया (जिस तक आम जनता की पहुँच हो) के माध्यम से, चाहे रियल-टाइम हो या रियल-टाइम से इतर हो, तब तक नहीं देगा, जब तक कि ऐसी सलाह देते समय उसके हित का प्रकटीकरण [जिसमें उक्त प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) में उसकी लाँग और शॉर्ट पॉज़ीशन से संबंधित प्रकटीकरण शामिल हैं] न कर दिया गया हो।

(2) यदि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का कोई कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा हो, तो वह ऐसी सलाह देते समय अपने परिवार के आश्रित सदस्यों और अपने नियोक्ता (एम्प्लॉयर) के हित का भी प्रकटीकरण (जिसमें उक्त प्रतिभूति में उनके लाँग और शॉर्ट पॉज़ीशन से संबंधित प्रकटीकरण शामिल हैं) करेगा।

समुचित लेखा बहियाँ, रिकॉर्ड और दस्तावेज रखना

29. प्रत्येक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक निम्नलिखित लेखा-बहियाँ, रिकॉर्ड और दस्तावेज रखेगा, अर्थात् -

(क) खरीद व बिक्री करने के लिए भारत में पैसा भेजने से संबंधित सही और उचित लेखे और इस प्रकार भेजे गए पैसे से किए गए निवेश से हुए पूँजीगत लाभों या पूँजीगत हानियों से संबंधित सही और उचित लेखे;

(ख) बैंक खाता विवरण;

(ग) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की खरीद और बिक्री से संबंधित संविदा नोट (कॉण्ट्रैक्ट नोट); और

(घ) प्रतिभूतियों में किए गए निवेशों के संबंध में अभिहित निक्षेपागार सहभागियों, स्टॉक दलालों और निक्षेपागार सहभागियों के साथ किए गए संवाद (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किए गए संवाद सहित) का विवरण।

लेखा-बहियों, रिकॉर्ड और दस्तावेजों को सुरक्षित रखना

30. तत्समय प्रवृत्त (लागू) किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों के अध्यधीन, प्रत्येक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक विनियम 29 में उल्लिखित लेखा-बहियों, रिकॉर्ड और दस्तावेजों को, रजिस्ट्रीकरण वापस सौंपे जाने के संबंध में बोर्ड द्वारा मंजूरी दिए जाने या बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण रद्द किए जाने की तारीख से कम से कम पाँच वर्षों की अवधि तक, सुरक्षित रखेगा।

अध्याय-VI

अभिहित निक्षेपागार सहभागियों की साधारण बाध्यताएँ और जिम्मेदारियाँ

अभिहित निक्षेपागार सहभागियों की बाध्यताएँ और जिम्मेदारियाँ

31. (1) सभी अभिहित निक्षेपागार सहभागी, जिन्हें बोर्ड द्वारा मंजूरी प्रदान की गई हो, -

(क) इन विनियमों के प्रावधानों, जहाँ तक वे लागू होते हों, इनके अधीन जारी किए जाने वाले परिपत्रों (सर्कुलर्स) तथा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाने वाली किन्हीं अन्य शर्तों आदि का पालन करेगा;

(ख) बोर्ड को तुरंत लिखित में सूचित करेगा, यदि बोर्ड को पहले प्रस्तुत की गई कोई जानकारी या विवरण किसी भी मामले विशेष में ज्ञौठे या भ्रामक पाए जाते हैं;

(ग) बोर्ड को तुरंत लिखित में सूचित करेगा, यदि उसके द्वारा बोर्ड को पहले दी गई जानकारी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो जाता हो;

(घ) अभिहित निक्षेपागार सहभागी के रूप में अपने क्रियाकलापों के संबंध में बोर्ड और भारतीय रिज़र्व बैंक को ऐसी सूचना, रिकॉर्ड या दस्तावेज देंगे, जैसी अपेक्षा की जाए;

(ङ) यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज मार्केट) में निवेश करने की अनुमति केवल रजिस्ट्रीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को ही दी जाए;

(च) के पास यह सुनिश्चित करने के लिए पर्यास व्यवस्था होगी (सिस्टम होंगे) कि संयुक्त रूप से धारित निक्षेपागार खातों के मामले में, प्रत्येक संयुक्त धारक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों हेतु निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करता हो और प्रत्येक संयुक्त धारक का केवाईसी के संबंध में पूरी तत्परता (ज्यू डिलीजेंस) बरतेगा;

(छ) किसी शास्ति (पेनल्टी), लंबित मुकदमे या कार्यवाहियों, निरीक्षणों या अन्वेषणों के निष्कर्षों, जिनके संबंध में अभिहित निक्षेपागार सहभागी के खिलाफ किसी विनियामक द्वारा कार्रवाई की जा सकती हो या कार्रवाई शुरू किए जाने की प्रक्रिया जारी हो, के मामले में, अभिहित निक्षेपागार सहभागी ऐसी जानकारी से बोर्ड, निक्षेपागारों और स्टॉक एक्सचेंजों को तुरंत अवगत कराएगा;

(ज) बोर्ड द्वारा समय-समय पर धनशोधन निवारण (एंटी-मनी लॉण्ड्रिंग) संबंधी मानकों या आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने से संबंधित परिपत्र में दी हुई अपेक्षाओं का पालन करेंगे।

(2) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण की मांग करने वाले आवेदक द्वारा नियुक्त किया गया अभिहित निक्षेपागार सहभागी –

(क) रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने के समय और जब कभी भी लागू हो, यह सुनिश्चित करेगा कि क्या आवेदक किसी निवेशक समूह का भाग है;

(ख) केवल धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों एवं विनियमों, वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) के मानकों और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले परिपत्रों (सर्कुलर्स) में दी हुई सभी अपेक्षाओं का पालन सुनिश्चित करने के पश्चात् ही आवेदक के लिए डीमैट खाता खोलेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक सतत आधार पर इन सभी अपेक्षाओं का अनुपालन करता रहे;

(ग) निक्षेपागार खाता खोलने से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार पूरी तत्परता (ज्यू डिलीजेंस) बरतेगा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में किसी संबंधित आवेदक का प्रत्येक निक्षेपागार में कोई और निक्षेपागार खाता न हो।

परंतु यह कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक प्रतिभूतियों को रखने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक या बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित वॉल्यूटरी रीटेंशन रुट या किसी अन्य स्कीम के तहत अलग निक्षेपागार खाते खुलवा सकता है;

(घ) फीस एकत्र करेगा और बोर्ड को प्रेषित करेगा, उसी प्रकार जैसा दूसरी अनुसूची के भाग-क में उल्लेख है; और

(ङ) संरचना या गठन में बदलाव के मामले में अथवा समान स्वामित्व या नियंत्रण में प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से हुए बदलाव (जिसकी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा रिपोर्ट की गई हो) के मामले में, ऐसे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की पात्रता का पुनर्निर्धारण करेगा।

(3) अभिहित निक्षेपागार सहभागी अपने क्रियाकलापों को इस प्रकार अलग-अलग रखेगा कि अभिहित निक्षेपागार सहभागी की हैसियत से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक को रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने संबंधी क्रियाकलाप और उसके अन्य क्रियाकलापों के बीच कोई हित-विरोध न हो ।

(4) अभिहित निक्षेपागार सहभागी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए ।

(5) अभिहित निक्षेपागार सहभागी अपनी पद्धतियों, प्रक्रियाओं एवं नियंत्रणों की वार्षिक समीक्षा किसी स्वतंत्र पेशेवर व्यक्ति द्वारा करवाएगा ।

स्पष्टीकरण: इस समीक्षा के तहत उनके द्वारा अपनाई जा रही पद्धतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा शामिल होगी, ताकि उसके ग्राहकों (क्लाइंट्स), विनियामकों (रेग्यूलेटर्स) और अन्य संबंधित निकायों (बॉडी) के प्रति उसकी बाध्यताएँ पूरी हो सकें तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेवी) द्वारा बनाए गए विनियमों एवं जारी किए गए परिपत्रों का पालन हो सके ।

(6) अभिहित निक्षेपागार सहभागी किसी एक कलैंडर वर्ष हेतु अपने आंतरिक नियंत्रण (इन्टर्नल कंट्रोल) के संबंध में वार्षिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट, अगले कलैंडर वर्ष के नव्वे दिनों के भीतर, प्रस्तुत करेगा ।

(7) अभिहित निक्षेपागार सहभागी तिमाही आधार पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट के संबंध में 'की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट' (एक्शन टेक्न रिपोर्ट), यदि कोई हो, प्रस्तुत करेगा ।

समुचित लेखा बहियाँ, रिकॉर्ड और दस्तावेज रखना

32. (1) प्रत्येक अभिहित निक्षेपागार सहभागी संगत, सही और उचित रिकॉर्ड, लेखा बहियाँ, और दस्तावेज [जिनमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के रजिस्ट्रीकरण से संबंधित कागज़ी या इलैक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल हैं] रखेगा ।

(2) अभिहित निक्षेपागार सहभागी बोर्ड को लिखित रूप में उस स्थान की सूचना देगा, जहाँ ऐसी बहियाँ, रिकॉर्ड और दस्तावेज रखे जाएँगे ।

(3) तत्समय प्रवृत्त (लागू) किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों के अध्यधीन, प्रत्येक अभिहित निक्षेपागार सहभागी इस विनियम में उल्लिखित लेखा बहियों, कागज़ी या इलैक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और दस्तावेजों को हमेशा सुरक्षित रखेगा ।

अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति

33. (1) प्रत्येक अभिहित निक्षेपागार सहभागी अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायंस ऑफिसर) की नियुक्ति करेगा, जो इस बात पर नज़र रखने के लिए जिम्मेदार होगा कि अधिनियम, बोर्ड या केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों और विनियमों, अधिसूचनाओं, दिशानिर्देशों और अनुदेशों का पालन किया जाए ।

(2) यदि अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायंस ऑफिसर) की नज़र में यह आए कि कहीं पालन नहीं हुआ है, तो वह उसकी रिपोर्ट बोर्ड को तुरंत और स्वतंत्र रूप से देगा ।

बोर्ड या भारतीय रिज़र्व बैंक को जानकारी

34. प्रत्येक अभिहित निक्षेपागार सहभागी, जब कभी भी बोर्ड या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित हो, यथास्थिति, बोर्ड या भारतीय रिज़र्व बैंक को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के क्रियाकलापों (एक्टिविटीज़) के संबंध में कोई जानकारी, ऐसे रिकॉर्ड या दस्तावेज प्रस्तुत करेगा ।

मीडिया (जिस तक आम जनता की पहुँच हो) के माध्यम से निवेश सलाह

35. (1) अभिहित निक्षेपागार सहभागी, या उसका कोई कर्मचारी, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) के बारे में कोई निवेश सलाह मीडिया (जिस तक आम जनता की पहुँच हो) के माध्यम से, चाहे रियल-टाइम हो

या रियल-टाइम से इतर हो, तब तक नहीं देगा, जब तक कि ऐसी सलाह देते समय उसके हित का प्रकटीकरण [जिसमें उक्त प्रतिभूति (सिक्यूरिटी) में उसकी लाँग और शॉर्ट पॉजिशन से संबंधित प्रकटीकरण शामिल हैं] न कर दिया गया हो।

(2) यदि, अभिहित निक्षेपागार सहभागी का कोई कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा हो, तो वह ऐसी सलाह देते समय अपने परिवार के आश्रित सदस्यों और अपने नियोक्ता (एम्प्लॉयर) के हित का भी प्रकटीकरण (जिसमें उक्त प्रतिभूति में उनके लाँग और शॉर्ट पॉजिशन से संबंधित प्रकटीकरण शामिल हैं) करेगा।

अध्याय-VII

निरीक्षण

निरीक्षण करने का बोर्ड का अधिकार

36. बोर्ड स्वप्रेरणा से या कोई जानकारी या शिकायत प्राप्त होने पर, निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी प्रयोजन हेतु, अभिहित निक्षेपागार सहभागी से संबंधित लेखा-बहियों, रिकॉर्ड और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में एक या एक से अधिक व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेगा, अर्थात्, -

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि लेखा-बहियाँ, रिकॉर्ड (जिनमें टेलीफोन रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल हैं) और दस्तावेज अभिहित निक्षेपागार सहभागियों द्वारा रखे जा रहे हैं;

(ख) यह देखने के लिए कि क्या कोई ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, जो अभिहित निक्षेपागार सहभागियों को अयोग्य या अपात्र बना दें;

(ग) अभिहित निक्षेपागार सहभागियों के क्रियाकलापों (एक्टिविटीज़) से संबंधित किसी मामले के संबंध में निवेशकों, ग्राहकों, अन्य बाजार सहभागियों (मार्केट पार्टिसिपेन्ट्स) या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों को जाँचने के लिए;

(घ) यह देखने के लिए कि क्या प्रतिभूति विधियों (सिक्यूरिटीज़ लॉज़) के प्रावधानों और उनके अधीन जारी किए गए निदेशों या परिपत्रों (सर्कुलर) का पालन अभिहित निक्षेपागार सहभागियों द्वारा किया जा रहा है ;

(ङ) यह देखने के लिए कि अभिहित निक्षेपागार सहभागियों द्वारा जो प्रणालियाँ, प्रक्रियाएँ और रक्षोपाय किए गए हैं और जिनका अनुसरण वे कर रहे हैं, क्या वे पर्याप्त हैं; और

(च) प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में या निवेशकों के हित में स्वप्रेरणा से अभिहित निक्षेपागार सहभागियों के कामकाज का अन्वेषण करने के लिए।

निरीक्षण के पूर्व सूचना (नोटिस)

37. (1) विनियम 36 के तहत निरीक्षण करने से पूर्व, बोर्ड अभिहित निक्षेपागार सहभागियों को कम से कम दस दिनों की सूचना (का नोटिस) देगा:

परंतु यह कि जहाँ बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो कि, निवेशकों के हित में, कोई ऐसी सूचना (नोटिस) नहीं दी जानी चाहिए, वहाँ वह, लिखित आदेश द्वारा, यह निदेश दे सकेगा कि ऐसा निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाए।

(2) निरीक्षण के दौरान, अभिहित निक्षेपागार सहभागी (जिनका निरीक्षण किया जा रहा हो) विनियम 38 में यथा उल्लिखित अपनी बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आवद्ध होंगे।

बोर्ड द्वारा निरीक्षण के संबंध में अभिहित निक्षेपागार सहभागियों की बाध्यताएँ

38. (1) अभिहित निक्षेपागार सहभागियों (जिनके कामकाज का निरीक्षण किया जा रहा हो) का, और उनके प्रत्येक निदेशक, अधिकारी तथा कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वे ऐसी उचित अवधि के भीतर जो निरीक्षण अधिकारी निर्धारित करे,

निरीक्षण अधिकारी को अपनी अभिरक्षा (कस्टडी) या अपने नियंत्रण में रखी ऐसी बहियाँ, प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़), लेखे, रिकॉर्ड तथा अन्य दस्तावेज़ पेश करें और उसे अपने क्रियाकलापों (एकिटिविटीज़) से संबंधित ऐसे विवरण तथा जानकारी दें, जैसी निरीक्षण अधिकारी अपेक्षा करे ।

(2) अभिहित निक्षेपागार सहभागी निरीक्षण अधिकारी को उस परिसर तक पर्याप्त पहुँच रखने की अनुमति देंगे, जो ऐसे अभिहित निक्षेपागार सहभागी के कब्जे में हो, या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में हो, और ऐसी किन्हीं बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेजों और कंप्यूटर डाटा की जाँच-पड़ताल करने के लिए उचित सुविधा भी प्रदान करेगा जो अभिहित निक्षेपागार सहभागियों या ऐसे अन्य व्यक्ति के कब्जे में हों, और दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ भी उपलब्ध कराएगा जो निरीक्षण अधिकारी की राय में निरीक्षण के प्रयोजनार्थ जरूरी हों ।

(3) निरीक्षण अधिकारी, निरीक्षण के दौरान, अभिहित निक्षेपागार सहभागियों के किसी निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी के कथनों (बयानों) की पड़ताल करने या उन्हें रिकॉर्ड करने का हकदार होगा।

(4) अभिहित निक्षेपागार सहभागियों के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण अधिकारी को निरीक्षण के संबंध में पूरी सहायता प्रदान करे, जो भी निरीक्षण अधिकारी वाजिब तौर पर मांगे ।

बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना

39. निरीक्षण अधिकारी, यथासंभव जल्द से जल्द, यथास्थिति, निरीक्षण या अन्वेषण के पूरा होने पर, बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :

परंतु यह कि यदि बोर्ड द्वारा ऐसा करने का निदेश दिया जाए, तो निरीक्षण अधिकारी अंतरिम (इंटरिम) रिपोर्ट (रिपोर्ट) प्रस्तुत कर सकेगा ।

निरीक्षण रिपोर्ट पर कार्रवाई

40. बोर्ड, निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, ऐसी कार्रवाई करेगा, जैसी बोर्ड ठीक समझे, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 के अध्याय-V के तहत की जाने वाली कार्रवाई शामिल है ।

लेखापरीक्षक (ऑडिटर) की नियुक्ति

41. बोर्ड के पास, यथास्थिति, आवेदक या अभिहित निक्षेपागार सहभागियों की लेखा-बहियों और रिकॉर्ड, दस्तावेजों, बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर), उनकी प्रणालियों और प्रक्रियाओं या उनके कामकाज का, यथास्थिति, निरीक्षण या अन्वेषण करने के लिए लेखापरीक्षक (ऑडिटर) को नियुक्त करने की शक्ति होगी :

परंतु यह कि इस प्रकार नियुक्त किए गए लेखापरीक्षकों के पास वही शक्तियाँ होंगी, जो विनियम 36 के तहत निरीक्षण अधिकारी में निहित हैं, और आवेदक या अभिहित निक्षेपागार सहभागी तथा उनके निदेशक, अधिकारी तथा कर्मचारी, इस प्रकार नियुक्त किए गए लेखापरीक्षक के प्रति, उन्हीं बाध्यताओं के अधीन होंगे, जिनका उल्लेख विनियम 38 में किया गया है ।

बोर्ड द्वारा खर्चों की वसूली

42. बोर्ड, यथास्थिति, अभिहित निक्षेपागार सहभागियों या आवेदक से ऐसे खर्चों (जिनमें लेखापरीक्षकों को अदा की गई फीस शामिल है) की वसूली करने का हकदार होगा, जो, यथास्थिति, अभिहित निक्षेपागार सहभागियों या आवेदक की लेखा-बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेजों, बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर), उनकी प्रणालियों और प्रक्रियाओं या उनके कामकाज का निरीक्षण या अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ उसके द्वारा किए जाएँ ।

अध्याय-VIII

चूक की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

चूक की दशा में कार्रवाई के लिए दायित्व

43. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, अभिहित निक्षेपागार सहभागी, निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) या कोई अन्य व्यक्ति, जो इन विनियमों के किसी प्रावधान का उल्लंघन करता हो, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 अथवा अधिनियम या निक्षेपागार अधिनियम, 1996 तथा उनके अधीन बनाए गए विनियमों के संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए दायी होगा।

अध्याय-IX

विविध

स्पष्टीकरण जारी करने की बोर्ड की शक्ति

44. इन विनियमों के प्रावधानों के लागू होने या उनकी व्याख्या के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड परिपत्रों (सर्कुलर) के रूप में स्पष्टीकरण और दिशानिर्देश जारी कर सकेगा अथवा प्रत्येक प्रवर्ग के विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों या अभिहित निक्षेपागार सहभागी के लिए अलग-अलग परिपत्र (सर्कुलर) या दिशानिर्देश या ढाँचा जारी कर सकेगा।

निरसन, विखंडन और व्यावृत्ति

45. (1) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [विदेशी पोर्टफोलियो विनिधानकर्ता (निवेशक)] विनियम, 2014 निरसित हो जाएंगे।

(2) ऐसा निरसन हो जाने पर भी,-

(क) निरसित विनियमों के तहत की गई किसी बात या की गई किसी कार्रवाई अथवा किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी बात या किसी कार्रवाई [जिसमें शामिल है - प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण या प्रदान की गई मंजूरी, एकत्र की गई फीस, निलंबित या रद्द किया गया रजिस्ट्रीकरण अथवा निलंबित या रद्द की गई मंजूरी, शुरू किया गया कोई न्यायनिर्णयन (अङ्गूठिकेशन), शुरू की गई जाँच या अन्वेषण या जारी की गई कारण बताओ सूचना (शो काज़ नोटिस)] के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत की गई है;

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [विदेशी पोर्टफोलियो विनिधानकर्ता (निवेशक)] विनियम, 2014 के तहत रजिस्ट्रीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, उसके अभिहित निक्षेपागार सहभागी द्वारा पुनःवर्गीकृत किया जाएगा;

(ग) इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [विदेशी पोर्टफोलियो विनिधानकर्ता (निवेशक)] विनियम, 2014 के तहत जारी किए गए किसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखत (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रमेंट) के बारे में यह समझा जाएगा कि उसे इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत जारी (इश्यू) किया गया है;

(घ) ऐसे निरसन से पूर्व, विनियमों के तहत बोर्ड के पास किया गया कोई आवेदन, और जो बोर्ड के समक्ष लंबित हो, के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत किया गया है; और

(ङ) निरसित विनियमों के पूर्व प्रवर्तन अथवा उनके तहत विधिवत रूप से की गई कोई भी बात आदि, निरसित विनियमों के तहत अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, निरसित विनियमों के किए गए किसी उल्लंघन के संबंध में लगाई गई कोई शास्ति (पेनलटी), अथवा उपरोक्तानुसार किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता,

दायित्व, शास्ति की बाबत कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार, अप्रभावित रहेंगे, मानो कि निरसित विनियम कभी निरसित ही न हुए हों;

(3) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [विदेशी पोर्टफोलियो विनिधानकर्ता (निवेशक)] विनियम, 2014 के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा बनाए गए किन्हीं अन्य विनियमों, उनके तहत जारी किए गए दिशानिर्देशों या परिपत्रों (सर्कुलर) में उनके किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के प्रति एक संदर्भ है।

पहली अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) विनियम, 2019

[विनियम 7(1) देखें]

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

I. बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (“अधिनियम”) के अधीन बनाए गए विनियमों के साथ पठित अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा _____ को, अधिनियम में और उसके अधीन बनाए गए विनियमों में निर्धारित शर्तों के अध्यधीन, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

II. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का प्रवर्ग और उप-प्रवर्ग क्रमशः _____ और _____ है।

III. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक की रजिस्ट्रीकरण संख्या है: .../.../.../.../...

IV. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का पता है: _____

V. यह प्रमाणपत्र तब तक मान्य रहेगा, जब तक इसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) विनियम, 2019 के अनुसार निलंबित न कर दिया जाए, रद्द न कर दिया जाए या उसे वापस न सौंप दिया (अभ्यर्पित न कर दिया) जाए।

तारीख :

स्थान :

आदेश द्वारा

हस्ताक्षर

अभिहित निक्षेपागार सहभागी

के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम और पदनाम

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

की ओर से जारी

दूसरी अनुसूची

भाग-क

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के लिए लागू फीस का भुगतान

[विनियम 3 एवं विनियम 7(3) देखें]

रजिस्ट्रीकरण फीस

(1) प्रवर्ग-। और प्रवर्ग-॥ से संबंधित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक क्रमशः 3000 अमरीकी डॉलर और 300 अमरीकी डॉलर की या उतनी रजिस्ट्रीकरण फीस, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए, अभिहित निषेपागार सहभागी के पास फॉर्म प्रस्तुत करते समय अदा करेगा।

(2) प्रवर्ग-। और प्रवर्ग-॥ से संबंधित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, तीन वर्षों के प्रत्येक ब्लॉक हेतु, रजिस्ट्रीकरण फीस तब तक अदा करेगा, जब तक उसका रजिस्ट्रीकरण मान्य रहे।

(3) विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) जैसी अंतरराष्ट्रीय या बहुपक्षीय एजेंसी और अन्य संस्थाओं, जो सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के बाहर स्थापित हैं, और जिन्हें केंद्रीय सरकार द्वारा विशेषाधिकार प्रदान किए गए हों तथा कर एवं शुल्कों के भुगतान से छूट प्रदान की गई हो, को रजिस्ट्रीकरण फीस अदा करने से छूट होगी।

(4) संबंधित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के अभिहित निषेपागार सहभागी उनके द्वारा रजिस्ट्रीकृत सभी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों से, प्रत्येक तीन वर्षों में एक बार अग्रिम रूप से, रजिस्ट्रीकरण फीस एकत्र करेंगे, और बोर्ड को फीस प्रेषित करेंगे, उसी प्रकार जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

(5) प्रत्येक अभिहित निषेपागार सहभागी ठीक पहले के महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों से एकत्र की गई फीस, बोर्ड को, प्रत्येक महीने के पाँचवें कार्य-दिवस तक प्रेषित कर देगा, और साथ ही उसके ब्यौरे भी ऐसे फॉर्मट में प्रेषित करेगा, जैसा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

भाग-ख

अभिहित निषेपागार सहभागी के लिए लागू फीस का भुगतान

[विनियम 10(2) एवं विनियम 13(1) देखें]

(1) प्रत्येक अभिहित निषेपागार सहभागी अपना क्रियाकलाप शुरू करने से पहले आवेदन फीस और मंजूरी हेतु फीस अदा करेगा।

(2) प्रत्येक अभिहित निषेपागार सहभागी आवेदन किए जाने के समय रु.10,000/- की आवेदन फीस 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के नाम पर बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके (जो मुंबई में देय हो) अदा करेगा।

(3) प्रत्येक अभिहित निषेपागार सहभागी बोर्ड द्वारा पूर्व मंजूरी प्रदान किए जाने के समय, रु.5,00,000/- की मंजूरी फीस 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के नाम पर बैंक खाते में एनईएफटी / आरटीजीएस / आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके (जो मुंबई में देय हो) अदा करेगा।

भाग-ग

ओडीआई के अभिदाताओं (सब्स्क्राइबर्स) से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक द्वारा विनियामक फीस एकत्र किया जाना

[विनियम 21 का उप-विनियम (4) देखें]

विनियामक फीस (रेग्यूलेटरी फीस)

(1) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, उसके द्वारा निर्गमित (जारी / इश्यू) की गई अपतटीय व्युत्पन्नी लिखत (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट) के प्रत्येक अभिदाता (सब्स्क्राइबर) से, 1000 अमरीकी डॉलर या उतनी विनियामक फीस, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए, एकत्र करेगा और उसे बोर्ड के नामित बैंक खाते (डेज़िग्रेटिड बैंक अकाउंट) में इलेक्ट्रॉनिक अंतरण (ट्रांसफर) के माध्यम से बोर्ड के पास जमा करेगा।

(2) विनियामक फीस 1 अप्रैल, 2017 से प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार जमा की जाएगी।

तीसरी अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) विनियम, 2019

आचार संहिता

[विनियम 23 देखें]

1. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक और उसके मुख्य कार्मिक (की पर्सोनल) मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़), विनियामक प्राधिकरणों (रेग्यूलेटरी अथॉरिटिज़) और अन्य सरकारी प्राधिकरणों के साथ भारत के प्रतिभूति बाजार में सभी प्रकार के व्यौहारों (डीलिंग) में सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता के उच्च स्तर बनाए रखेगा और साथ ही पेशेवर ढंग से व्यौहार करेगा।

2. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, हमेशा उच्च स्तरीय सेवा देगा, पूरी तत्परता बरतेगा और स्वतंत्र रूप से एवं पेशेवर ढंग से निर्णय लेगा।

3. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक उसके स्वयं की ओर से या उसके ग्राहकों की ओर से किए गए व्यापारों (ट्रेड्स) के संबंध में गोपनीयता सुनिश्चित करेगा और बनाए रखेगा।

4. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक निम्नलिखित को सुनिश्चित करेगा -

(क) उसकी स्वयं की धनराशि और प्रतिभूतियों तथा उसके ग्राहकों की धनराशि और प्रतिभूतियों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग रखना।

(ख) उसके निधि प्रबंधन / निवेश के कारोबार और उसके दूसरे कारोबार के बीच समुचित दूरी का संबंध कायम रहे।

5. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ज्ञान और सक्षमता का अपेक्षित स्तर कायम रखेगा और अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए विनियमों के प्रावधानों तथा परिपत्रों एवं दिशानिर्देशों का पालन करेगा, जो भी उसके द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों के प्रति लागू हों और उनसे संबंधित हों। प्रत्येक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (अधिनिर्णयक) विनियम, 2003 के अधीन अधिनिर्णयक (ऑम्बड़समैन) के अवार्ड और बोर्ड के निर्णय का पालन भी करेगा।

6. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अभिहित निक्षेपागार सहभागी और/या बोर्ड को दिए जाने वाले किन्हीं दस्तावेजों, रिपोर्टों या दी जाने वाली किसी जानकारी में कोई असत्य कथन नहीं करेगा या कोई महत्वपूर्ण तथ्य नहीं छिपाएगा।

7. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यह सुनिश्चित करेगा कि वह अच्छी कारपोरेट नीतियों और अच्छे कंपनी संचालन (कारपोरेट गवर्नेंस) संबंधी नीतियों का पालन करे।

8. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यह सुनिश्चित करेगा कि वह भारत में स्थित किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में कपटपूर्ण लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) और हेराफेरी वाले लेनदेनों में लिप्त न हो।

9. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अथवा उसका कोई निदेशक या प्रबंधक, या तो अपनी ओर से या किसी सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) अथवा परिवार के सदस्यों, नातेदारों या मित्रों के माध्यम से, किसी अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग) में लिप्त नहीं होगा ।

10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक – क) भारत में स्थित किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) या सूचीबद्ध कराए जाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियों में मिथ्या बाजार के सृजन; ख) भारत में स्थित किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) या सूचीबद्ध कराए जाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूतियों की कीमतों की हेराफेरी आदि; ग) प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज मार्केट) में किसी व्यक्ति या मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) को कीमत संवेदनशील जानकारी देने - में पक्षकार (पार्टी) या सहायक नहीं होगा ।

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./222/19]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 23rd September, 2019

Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2019

No. SEBI/LAD-NRO/GN/2019/36.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 read with sub-section (1) of Section 11, clause (ba) of sub-section (2) of Section 11 and sub-sections (1) and (1A) of Section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and under Section 25 of the Depositories Act, 1996, the Securities and Exchange Board of India hereby, makes the following regulations, to provide the framework for registration and procedures with regard to foreign investors who propose to make portfolio investment in India, namely,—

CHAPTER I

PRELIMINARY

Short title and commencement.

1. (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2019.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

Definitions.

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, the terms defined herein shall bear the meanings assigned to them below, and their cognate expressions and variations shall be construed accordingly,—

- (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992;
- (b) “appropriately regulated” entity means an entity which is regulated by the securities market regulator or the banking regulator of home jurisdiction or otherwise, in the same capacity in which it proposes to make investments in India;
- (c) “Bilateral Memorandum of Understanding with the Board” shall mean a bilateral Memorandum of Understanding between the Board and any authority outside India that provides for information sharing arrangement as specified under clause (ib) of sub-section (2) of Section 11 of the Act;
- (d) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Act;
- (e) “certificate” means a certificate of registration granted to a foreign portfolio investor by the designated depository participant on behalf of the Board under these regulations;
- (f) “control” includes the right to appoint majority of the directors or to control the management or policy decisions exercisable by a person or persons acting individually or in concert, directly or indirectly, including by virtue of shareholding or management rights or shareholders agreements or voting agreements or in any other manner;

(g) "custodian" means a person registered under the Securities and Exchange Board of India (Custodian) Regulations, 1996;

(h) "designated bank" means a scheduled bank in India, which has been authorised by the Reserve Bank of India to act as a banker to foreign portfolio investors;

(i) "designated depository participant" means a person who has been approved by the Board under Chapter III of these regulations;

(j) "foreign portfolio investor" means a person who has been registered under Chapter II of these regulations and shall be deemed to be an intermediary in terms of the provisions of the Act;

(k) "Form" means an application form for obtaining registration as foreign portfolio investor as notified by the Government of India or as specified by the Board;

(l) "International Financial Services Centre" or "IFSC" shall have the same meaning as assigned to it in clause (q) of section 2 of the Special Economic Zones Act, 2005;

(m) "investment manager" shall include an entity performing the role of investment management or any equivalent role, including trustee(s);

(n) "non-resident Indian" and "overseas citizen of India" shall have the same meaning as assigned to such terms under regulation 2 of the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) Regulations, 2017 made under the Foreign Exchange Management Act, 1999;

(o) "offshore derivative instrument" means any instrument, by whatever name called, which is issued overseas by a foreign portfolio investor against securities held by it in India, as its underlying;

(q) "resident Indian" shall have the same meaning assigned to the term "person resident in India" under the Foreign Exchange Management Act, 1999;

(r) "Schedule" means a Schedule to these regulations;

(s) 'stock exchange' means a recognised stock exchange under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

(2) Words and expressions used and not defined in these regulations, but defined in the Act or the Foreign Exchange Management Act, 1999, the Companies Act, 2013, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996 or the rules and regulations made thereunder shall have the same meaning respectively assigned to them in those Acts or rules or regulations or any statutory modification or re-enactment thereto.

CHAPTER II

REGISTRATION OF FOREIGN PORTFOLIO INVESTORS

Application for grant of certificate as a foreign portfolio investor.

3. (1) No person shall buy, sell or otherwise deal in securities as a foreign portfolio investor unless it has obtained a certificate granted by a designated depository participant on behalf of the Board.

Explanation – An offshore fund floated by an asset management company that has received no-objection certificate in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, shall be required to obtain registration as a foreign portfolio investor, for investment in securities in India, within one hundred and eighty days from the date of notification of these regulations.

(2) An application for the grant of certificate as a foreign portfolio investor shall be made to a designated depository participant in the Form specified by the Government or the Board from time to time and shall be supported by the fee specified in Part A of the Second Schedule.

Eligibility criteria of foreign portfolio investor.

4. A designated depository participant shall consider an application for grant of certificate of registration as a foreign portfolio investor if the applicant satisfies the following conditions namely: -

- (a) the applicant is not a resident Indian;
- (b) the applicant is not a non-resident Indian or an overseas citizen of India;
- (c) non-resident Indians or overseas citizens of India or resident Indian individuals can be constituents of the applicant provided they meet conditions specified by the Board from time to time;
- (d) the applicant is a resident of the country whose securities market regulator is a signatory to the International Organization of Securities Commission's Multilateral Memorandum of Understanding (Appendix A Signatories) or a signatory to the bilateral Memorandum of Understanding with the Board;

Provided that an applicant being Government or Government related investor shall be considered as eligible for registration, if such applicant is a resident in the country as may be approved by the Government of India;

(e) the applicant being a bank is a resident of a country whose central bank is a member of Bank for International Settlements:

Provided that a central bank applicant need not be a member of Bank for International Settlements;

(f) the applicant or its underlying investors contributing twenty-five per cent or more in the corpus of the applicant or identified on the basis of control, shall not be the person(s) mentioned in the Sanctions List notified from time to time by the United Nations Security Council and is not a resident in the country identified in the public statement of Financial Action Task Force as –

(i) a jurisdiction having a strategic Anti-Money Laundering or Combating the Financing of Terrorism deficiencies to which counter measures apply; or

(ii) a jurisdiction that has not made sufficient progress in addressing the deficiencies or has not committed to an action plan developed with the Financial Action Task Force to address the deficiencies;

(g) the applicant is a fit and proper person based on the criteria specified in Schedule II of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008;

(h) any other criteria specified by the Board from time to time:

Provided that clause (a), (d) and (e) shall not apply to an applicant incorporated or established in an International Financial Services Centre.

Categories of foreign portfolio investor.

5. An applicant seeking registration as a foreign portfolio investor may apply in one of the categories mentioned hereunder or any other category as may be specified by the Board from time to time –

(a) "Category I foreign portfolio investor" which shall include –

(i) Government and Government related investors such as central banks, sovereign wealth funds, international or multilateral organizations or agencies including entities controlled or at least 75% directly or indirectly owned by such Government and Government related investor(s);

(ii) Pension funds and university funds;

(iii) Appropriately regulated entities such as insurance or reinsurance entities, banks, asset management companies, investment managers, investment advisors, portfolio managers, broker dealers and swap dealers;

(iv) Entities from the Financial Action Task Force member countries which are –

I. appropriately regulated funds;

II. unregulated funds whose investment manager is appropriately regulated and registered as a Category I foreign portfolio investor:

Provided that the investment manager undertakes the responsibility of all the acts of commission or omission of such unregulated fund;

III. university related endowments of such universities that have been in existence for more than five years;

(v) An entity (A) whose investment manager is from the Financial Action Task Force member country and such an investment manager is registered as a Category I foreign portfolio investor; or (B) which is at least seventy-five per cent owned, directly or indirectly by another entity, eligible under sub-clause (ii), (iii) and (iv) of clause (a) of this regulation and such an eligible entity is from a Financial Action Task Force member country:

Provided that such an investment manager or eligible entity undertakes the responsibility of all the acts of commission or omission of the applicants seeking registration under this sub-clause.

(b) "Category II foreign portfolio investor" shall include all the investors not eligible under Category I foreign portfolio investors such as –

(i) appropriately regulated funds not eligible as Category-I foreign portfolio investor;

(ii) endowments and foundations;

(iii) charitable organisations;

- (iv) corporate bodies;
- (v) family offices;
- (vi) Individuals;
- (vii) appropriately regulated entities investing on behalf of their client, as per conditions specified by the Board from time to time;
- (viii) Unregulated funds in the form of limited partnership and trusts;

Explanation: An applicant incorporated or established in an International Financial Services Centre shall be deemed to be appropriately regulated.

Furnishing of information, and personal representation.

6.(1) The Board or the designated depository participant may require the applicant to furnish such further information or clarification as may be considered necessary for the grant of the certificate of registration as a foreign portfolio investor.

(2) The applicant or his authorised representative shall, if so required by the Board or the designated depository participant, appear before them for personal representation in connection with the grant of a certificate.

Certificate of registration

7.(1) The designated depository participant shall on behalf of the Board grant the certificate of registration, bearing registration number generated by National Securities Depositories Limited, as specified in the First Schedule to an applicant if it is satisfied that the applicant is eligible and fulfils the requirements as specified in these regulations.

(2) The designated depository participant shall endeavour to dispose of the application for grant of certificate of registration as soon as possible but not later than thirty days after receipt of application by the designated depository participant, or after the information called for under regulation 6 has been furnished; whichever is later.

(3) Upon grant of certificate of registration to the applicant, the designated depository participant shall remit the fees, as specified in Part A of the Second Schedule, received from the applicant to the Board.

(4) If an applicant seeking registration as a foreign portfolio investor has any grievance with respect to its application or if the designated depository participant has any question in respect of interpretation of any provision of this regulation, it may approach the Board for appropriate instructions.

(5) The foreign portfolio investor needs to have a valid registration as long as it is holding securities or derivatives in India:

Provided that a foreign portfolio investor whose registration is not valid and who is holding securities or derivatives in India shall be allowed to sell such securities or wind up their open position in derivatives within one year from the date of publication of these regulations.

Application to conform to the requirements

8. (1) An application for grant of certificate of registration to act as a foreign portfolio investor, which is not complete in all respects or is false or misleading in any material particular or does not satisfy the requirements specified in these regulations shall be deemed to be deficient and liable to be rejected by the designated depository participant:

Provided that before rejecting any such application, the applicant shall be given a reasonable opportunity of being heard and to remove the deficiency, within the time as specified by the designated depository participant.

(2) The decision to reject the application shall be communicated by the designated depository participant to the applicant in writing indicating the grounds for rejection of the application.

(3) The applicant, who is aggrieved by the decision of the designated depository participant under sub-regulation (1) may, within a period of thirty days from the date of receipt of communication under sub-regulation (2), apply to the Board for reconsideration of the decision of the designated depository participant:

Provided that such application for reconsideration shall not be considered by the Board where the rejection was on account of technical reasons such as non-submission of complete information, documents, including non-payment of specified fees.

(4) The Board shall, as soon as possible, after considering the submissions made in the application seeking reconsideration made under sub-regulation (3) and after giving a reasonable opportunity of being heard, communicate its decision in writing to the applicant.

Suspension, cancellation or surrender of certificate.

9. (1) Subject to the compliance with the provisions of the Act, these regulations and the circulars issued thereunder, the registration granted by the designated depository participant on behalf of the Board under these regulations shall be permanent unless suspended or cancelled by the Board or surrendered by the foreign portfolio investor.

(2) The suspension and cancellation of the certificate of registration granted by the Board under these regulations, shall be dealt with in the manner as provided in Chapter V of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008.

(3) When the foreign portfolio investor fails to pay the required fees for continuance of registration within the specified due date and such foreign portfolio investor does not have any cash or security or derivative position in India, such foreign portfolio investor shall be deemed to have applied for surrender of its registration and the designated depository participant of such foreign portfolio investor shall process the surrender after obtaining the approval from the Board.

(4) Any foreign portfolio investor desirous of surrendering the certificate of registration may request for such surrender to the designated depository participant who shall accept the surrender of the certificate of registration after obtaining approval from the Board.

(5) While accepting the surrender of registration, the designated depository participant may impose such conditions as may be specified by the Board.

CHAPTER III

APPROVAL OF DESIGNATED DEPOSITORY PARTICIPANT

Application to act as a designated depository participant.

10. (1) No person shall act as a designated depository participant unless it has obtained the approval of the Board.

(2) An application for approval to act as a designated depository participant shall be made to the Board through a depository with which the applicant has an agreement to act as a participant and shall be accompanied by the application fee specified in Part B of the Second Schedule which shall be paid in the manner specified therein.

(3) The depository shall forward the application to the Board, as early as possible, but not later than thirty days from the date of its receipt by the depository, along with its recommendations and after certifying that the participant has complied with the eligibility criteria as provided for in these regulations.

Eligibility criteria of designated depository participant.

11. (1) The Board shall not consider an application for the grant of approval as designated depository participant unless the applicant satisfies the following conditions,

- (a) the applicant is a registered depository participant under the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 1996;
- (b) the applicant is a registered Custodian under the Securities and Exchange Board of India (Custodian) Regulations, 1996;
- (c) the applicant is an Authorised Dealer Category-1 bank authorised by the Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Management Act, 1999;
- (d) the applicant has a multinational presence, either through its branches or through agency relationships with overseas intermediaries regulated in their respective home jurisdictions;
- (e) the applicant has systems and procedures to comply with the requirements of the Financial Action Task Force Standards, Prevention of Money Laundering Act, 2002, Rules prescribed thereunder and the circulars issued from time to time by the Board;
- (f) the applicant is a fit and proper person based on the criteria specified in Schedule II of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008; and
- (g) any other criteria as may be specified by the Board from time to time.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) of this regulation, the Board may consider an application from an entity, regulated in India or in its home jurisdiction, for grant of approval to act as designated depository participant, upon being satisfied that the applicant has sufficient experience in providing custodial services and that the grant of such approval is in the interest of the development of the securities market:

Provided that such entity shall be registered with the Board as a participant and custodian, and shall have a tie up with Authorised Dealer Category-1 bank.

Furnishing of information, clarification and personal representation.

12. (1) The Board may require the applicant or the depository of which the applicant is a participant to furnish such further information or clarification as may be considered necessary for grant of approval to act as a designated depository participant.

(2) The applicant or its authorised representative shall, if so required by the Board, appear before it for personal representation in connection with the grant of approval.

Procedure for granting of approval to designated depository participant.

13. (1) After considering the application made under regulation 10 of these regulations, the Board may grant approval to the applicant, upon being satisfied that the applicant is eligible and fulfils the requirements as specified in these regulations including payment of fees as specified in Part B of Second Schedule.

(2) The Board shall dispose of the application for grant of approval as soon as possible but not later than thirty days after receipt of application by the Board or, after all the information called for under regulation 12 has been furnished, whichever is later.

Application to conform to the requirements.

14. An application for grant of approval to act as designated depository participant which is not complete in all respects or is false or misleading in any material particular, shall be deemed to be deficient and shall be liable to be rejected by the Board:

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given a reasonable opportunity to remove the deficiency, within the time as specified by the Board.

Procedure where approval is not granted.

15. (1) Where an application for grant of an approval does not satisfy the requirements specified in these regulations, the Board may reject the application after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard.

(2) The decision to reject the application shall be communicated by the Board to the applicant in writing stating therein the grounds on which the application has been rejected.

(3) The applicant, who is aggrieved by the decision of the Board under sub-regulation (1) may, within a period of thirty days from the date of receipt of communication under sub-regulation (2), apply to the Board for reconsideration of its decision.

(4) The Board shall, as soon as possible, in light of the submissions made in the application for reconsideration made under sub-regulation (3) and after giving a reasonable opportunity of being heard, convey its decision in writing to the applicant.

Validity of approval.

16. Subject to the compliance with the provisions of the Act, these regulations and the circulars issued thereunder, the approval granted by the Board under these regulations shall be permanent unless suspended or withdrawn by the Board or surrendered by the designated depository participant.

Suspension or withdrawal of approval.

17. Where any designated depository participant who has been granted approval under these regulations-

(a) fails to comply with any conditions subject to which an approval has been granted to him under these regulations, or

(b) contravenes any of the provisions of the securities laws or directions, instructions or circulars issued thereunder;

the Board may, without prejudice to any action under the securities laws or directions, instructions or circulars issued thereunder, by an order suspend or withdraw such approval after providing the designated depository participant a reasonable opportunity of being heard.

Surrender of approval.

18. (1) Any designated depository participant, who has been granted approval under these regulations, desirous of surrendering the approval granted, may make a request for such surrender to the Board.

(2) While accepting the surrender under sub-regulation (1), the Board may impose such conditions as it deems fit for the protection of investors or the clients of the designated depository participant or the securities market and such person shall comply with such conditions.

CHAPTER IV
INVESTMENT CONDITIONS AND RESTRICTIONS

Commencement of investment.

19. No foreign portfolio investor shall make any investment in securities in India without complying with the provisions of this Chapter.

Investment restrictions.

20. (1) A foreign portfolio investor shall invest only in the following securities, namely—

- (a) shares, debentures and warrants issued by a body corporate; listed or to be listed on a recognized stock exchange in India;
- (b) units of schemes launched by mutual funds under Chapter V, VI-A and VI-B of the Securities and Exchange Board of India (Mutual Fund) Regulations, 1996;
- (c) units of schemes floated by a Collective Investment Scheme in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Collective Investment Schemes) Regulations, 1999;
- (d) derivatives traded on a recognized stock exchange;
- (e) units of real estate investment trusts, infrastructure investment trusts and units of Category III Alternative Investment Funds registered with the Board;
- (f) Indian Depository Receipts;
- (g) any debt securities or other instruments as permitted by the Reserve Bank of India for foreign portfolio investors to invest in from time to time; and
- (h) such other instruments as specified by the Board from time to time.

(2) Where a foreign portfolio investor, prior to commencement of these regulations, holds equity shares in a company whose shares are not listed on any recognised stock exchange, and continues to hold such shares after the initial public offering and listing thereof, such shares shall be subject to lock-in for the same period, if any, as is applicable to shares held by a foreign direct investor placed in similar position, under the policy of the Government of India relating to foreign direct investment for the time being in force.

(3) Nothing contained in sub-regulation (2) shall be deemed to prejudice the applicability of any other law, regulation or guideline.

(4) In respect of investments in the secondary market, the following additional conditions shall apply –

- (a) A foreign portfolio investor shall transact in the securities in India only on the basis of taking and giving delivery of securities purchased or sold;
- (b) Nothing contained in clause (a) shall apply to –
 - (i) any transactions in derivatives on a recognized stock exchange;
 - (ii) short selling transactions in accordance with the framework specified by the Board;
 - (iii) any transaction in securities pursuant to an agreement entered into with the merchant banker in the process of market making or subscribing to unsubscribed portion of the issue in accordance with Chapter IX of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;
 - (iv) any other transaction specified by the Board;
- (c) The transaction involving dealing in securities by a foreign portfolio investor shall be only through stock brokers registered with the Board;
- (d) Nothing contained in clause (c) of this sub-regulation shall apply to –
 - (i) transactions in Government securities and such other securities falling under the purview of the Reserve Bank of India carried out in the manner as specified by the Reserve Bank of India;
 - (ii) sale of securities in response to a letter of offer sent by an acquirer in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
 - (iii) sale of securities in response to an offer made by any promoter or acquirer in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity shares) Regulations, 2009;

- (iv) sale of securities in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Buy-back of Securities) Regulations, 2018;
- (v) divestment of securities in response to an offer by Indian companies in accordance with Operative Guidelines for Disinvestment of Shares by Indian Companies in the overseas market through issue of American Depository Receipts or Global Depository Receipts as notified by the Government of India from time to time;
- (vi) any bid for, or acquisition of, securities in response to an offer for disinvestment of shares made by the Central Government or any State Government;
- (vii) any transaction in securities pursuant to an agreement entered into with merchant banker in the process of market making or subscribing to unsubscribed portion of the issue in accordance with Chapter IX of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;
- (viii) transactions in corporate bonds by foreign portfolio investors;
- (ix) transactions on the electronic book provider platform of recognised stock exchanges;
- (x) transactions to receive, hold and sell unlisted securities as referred at regulation 20(2) and transactions in unlisted securities received through involuntary corporate actions including a scheme of a merger or demerger approved in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 as well as the applicable guidelines issued by the Board or pursuant to implementation of any resolution plan approved under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 or in accordance with the guidelines issued by the Government of India or the Reserve Bank of India or any other regulator for a scheme of debt resolution:

Provided that such unlisted holdings of the foreign portfolio investor shall be treated as Foreign Direct Investment;

- (xi) transactions for transfer of right entitlements;
- (xii) purchase or sale transactions of illiquid or suspended or delisted securities by a foreign portfolio investor;

Explanation – Illiquid securities shall mean those securities that are not frequently traded in terms of Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;

- (xiii) transactions between registered foreign portfolio investors, who are multi investment manager structure of the same beneficial owner and have common Permanent Account Number; and
- (xiv) any other transaction as may be specified by the Board;

- (e) A foreign portfolio investor shall hold, deliver or cause to be delivered securities only in the dematerialized form:

Provided that any shares held in the physical form, before the commencement of these regulations, may continue to be held in the physical form, if such shares cannot be dematerialised:

Provided further that all the Rights Entitlements may be held or transferred in non-dematerialized form.

(5) In respect of investments in the debt securities, the foreign portfolio investors shall also comply with terms, conditions or directions, specified or issued by the Board or Reserve Bank of India, from time to time, in addition to other conditions specified in these regulations.

(6) Unless otherwise approved by the Board, securities shall be registered in the name of the foreign portfolio investor as a beneficial owner as defined in clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the Depositories Act, 1996.

(7) The purchase of equity shares of each company by a single foreign portfolio investor including its investor group shall be below ten per cent of the total paid-up equity capital on a fully diluted basis of the company:

Provided that where the total investment under these regulations by a foreign portfolio investor including its investor group exceeds the threshold of below ten per cent of the total paid up equity capital in a listed or to be listed company on a fully diluted basis, the foreign portfolio investor shall divest the excess holding within five trading days from the date of settlement of the trades resulting in the breach:

Provided further that in case the foreign portfolio investor fails to divest the excess holding, the entire investment in the company by such foreign portfolio investor including its investor group shall be considered as investment under the

Foreign Direct Investment, as per the procedure specified by the Board and the foreign portfolio investor and its investor group shall not make further portfolio investment in that company under these regulations,

Explanation I – ‘investor group’ shall have the meaning as provided under regulation 22(3) of these regulations.

Explanation II – ‘fully diluted basis’ means the total number of shares that would be outstanding if all possible sources of conversion are exercised.

(8) An entity, registered as a foreign portfolio investor shall be permitted to invest in Indian securities as a person resident outside India in accordance with provisions of Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) Regulations, 2017 made under the Foreign Exchange Management Act, 1999.

(9) In cases where the Government of India enters into agreements or treaties with other sovereign Governments and where such agreements or treaties specifically recognize certain entities to be distinct and separate, the Board may, during the validity of such agreements or treaties, recognize them as such, subject to conditions as may be specified by it.

(10) A foreign portfolio investor may lend or borrow securities in accordance with the framework specified by the Board in this regard.

(11) The investment by the foreign portfolio investor shall also be subject to such other conditions and restrictions as may be specified by the Government of India from time to time.

Conditions for issuance of offshore derivative instruments.

21. (1) No foreign portfolio investor may issue, subscribe to or otherwise deal in offshore derivative instruments, directly or indirectly, unless the following conditions are satisfied –

- (a) such offshore derivative instruments are issued only by persons registered as Category I foreign portfolio investor;
- (b) such offshore derivative instruments are issued only to persons eligible for registration as Category I foreign portfolio investors;

Explanation – For the purpose of this sub-regulation, where an entity has an investment manager who is from the Financial Action Task Force member country, the investment manager shall not be required to be registered as a Category I foreign portfolio investor;

- (c) such offshore derivative instruments are issued after compliance with the ‘know your client’ norms as specified by the Board; and
- (d) such other conditions as may be specified by the Board from time to time.

(2) A foreign portfolio investor shall ensure that any transfer of offshore derivative instruments issued by or on behalf of it, is subject to the following conditions –

- (a) such offshore derivative instruments are transferred to persons subject to the fulfilment of sub-regulation (1); and
- (b) prior consent of the foreign portfolio investor is obtained for such transfer, except in cases, where the persons to whom the offshore derivative instruments are to be transferred, are pre-approved by the foreign portfolio investor.

(3) A foreign portfolio investor shall fully disclose to the Board any information concerning the terms of and parties to off-shore derivative instruments, by whatever names they are called, entered into by it relating to any securities listed or proposed to be listed in any stock exchange in India, as and when and in such form as the Board may specify.

(4) A foreign portfolio investor shall collect the regulatory fee, as specified in Part C of the Second Schedule, from every subscriber of the offshore derivative instrument issued by it and deposit the same with the Board.

CHAPTER V

GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES OF FOREIGN PORTFOLIO INVESTORS

General obligations and responsibilities of foreign portfolio investors.

22. (1) The foreign portfolio investor shall –

- (a) comply with the provisions of these regulations, as far as they may apply, circulars issued thereunder and any other terms and conditions specified by the Board from time to time;
- (b) forthwith inform the Board and designated depository participant in writing, if any information or particulars previously submitted to the Board or designated depository participant are found to be false or misleading, in any material respect;

- (c) forthwith inform the Board and designated depository participant in writing, if there is any material change in the information including any direct or indirect change in its structure or ownership or control, previously furnished by him to the Board or designated depository participant;
- (d) as and when required by the Board or any other Government agency in India, submit any information, record or documents in relation to its activities as a foreign portfolio investor;
- (e) forthwith inform the Board and the designated depository participant, in case of any penalty, pending litigation or proceedings, findings of inspections or investigations for which action may have been taken or is in the process of being taken by an overseas regulator against it;
- (f) obtain a Permanent Account Number from the Income Tax Department;
- (g) in relation to its activities as foreign portfolio investor, at all times, subject itself to the extant Indian laws, rules, regulations, guidelines and circulars issued from time to time;
- (h) be a fit and proper person based on the criteria specified in Schedule II of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008;
- (i) undertake necessary KYC on its shareholders/investors in accordance with the rules applicable to it in the jurisdiction where it is organised;
- (j) provide any additional information or documents including beneficiary ownership details of their clients as may be required by the designated depository participant or the Board or any other enforcement agency to ensure compliance with the Prevention of Money Laundering Act, 2002 and the rules and regulations specified thereunder, the Financial Action Task Force standards and circulars issued from time to time by the Board; and
- (k) ensure that securities held by foreign portfolio investors are free from all encumbrances.

Explanation – An encumbrance created to meet any statutory and regulatory requirements shall not be considered under this clause.

(2) In case of jointly held depository accounts, each of the joint holders shall meet the requirements specified for foreign portfolio investor and each shall be deemed to be holding a depository account as a foreign portfolio investor.

(3) Multiple entities registered as foreign portfolio investors and directly or indirectly, having common ownership of more than fifty per cent or common control, shall be treated as part of the same investor group and the investment limits of all such entities shall be clubbed at the investment limit as applicable to a single foreign portfolio investor:

Provided that in case the limit is breached due to transaction(s) by foreign portfolio investors under these regulations, the excess holding shall be divested within five trading days from the date of settlement of the trades causing the breach.

Provided further that in case the foreign portfolio investor fails to divest the excess holding, the entire investment in the company by such foreign portfolio investors including its investor group shall be considered as investment under the Foreign Direct Investment as per the procedure specified by the Board and the foreign portfolio investor and its investor group shall not make further portfolio investment in that company under these regulations.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (3), the clubbing of investment limit of foreign portfolio investors having common control shall not be applicable where –

- (a) foreign portfolio investors are appropriately regulated public retail funds; or
- (b) the foreign portfolio investors are public retail funds where the majority is owned by appropriately regulated public retail fund on look through basis; or
- (c) foreign portfolio investors are public retail funds and investment managers of such foreign portfolio investors are appropriately regulated.

Explanation - Public retail funds means -

- (i) mutual funds or unit trusts which are open for subscription to retail investors and which do not have specific investor type requirements like accredited investors;
- (ii) insurance companies where segregated portfolio with one to one correlation with a single investor is not maintained; and
- (iii) pension funds.

(5) In case of any direct or indirect change in structure or common ownership or control of the foreign portfolio investor, it shall forthwith bring the same to the notice of its designated depository participant.

Code of conduct.

23. A foreign portfolio investor shall, at all times, abide by the code of conduct as specified in the Third Schedule of these regulations.

Engagement of designated depository participant

24. An applicant seeking registration as a foreign portfolio investor shall engage a designated depository participant to avail its services for obtaining a certificate of registration as foreign portfolio investor and at all times the designated depository participant and the custodian of the foreign portfolio investor shall be the same entity.

Appointment of custodian.

25. (1) A foreign portfolio investor or a global custodian who is acting on behalf of the foreign portfolio investor, shall enter into an agreement with the designated depository participant engaged by it to act as a custodian, before making any investment under these regulations.

(2) In addition to the obligation of custodian under any other regulations, the custodian shall –

- (a) report to the depositories and the Board on a daily basis the transactions entered into by the foreign portfolio investor in the form and manner specified by the Board or depositories from time to time;
- (b) monitor investment of the foreign portfolio investors;
- (c) maintain the relevant true and fair records, books of accounts, and documents including the records relating to transactions of foreign portfolio investors;
- (d) report the holdings of foreign portfolio investors who form part of investor group to the depositories and the depositories shall club the investment limits to ensure that combined holdings of all these foreign portfolio investors remains below ten per cent of the total paid-up equity capital on a fully diluted basis of a investee company at any time.

Appointment of designated bank.

26. A foreign portfolio investor shall appoint a branch of a bank authorised by the Reserve Bank of India for opening a foreign currency denominated account and special non-resident rupee account before making any investments in India.

Appointment of compliance officer.

27. (1) Every foreign portfolio investor shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines and instructions issued by the designated depository participant or the Board or the Central Government:

Provided that in case of a foreign portfolio investor who is an individual, such individual shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines and instructions issued by the designated depository participant or the Board or the Central Government.

(2) The compliance officer shall immediately and independently report any non-compliance observed by him to the Board and the designated depository participant.

Investment advice in publicly accessible media.

28. (1) A foreign portfolio investor, or any of its employees shall not render directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real-time or otherwise, unless a disclosure of its interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

(2) In case, an employee of the foreign portfolio investor is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and his employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.

Maintenance of proper books of accounts, records and documents.

29. Every foreign portfolio investor shall maintain the following books of accounts, records and documents, namely –

- (a) true and fair accounts relating to remittances of funds to India for buying and selling; and realising capital gains or losses on investment made from such remittances;
- (b) bank statement of accounts;
- (c) contract notes relating to purchase and sale of securities; and
- (d) communication including in electronic mode from and to the designated depository participants, stock brokers and depository participants regarding investments in securities.

Preservation of books of accounts, records and documents.

30. Subject to the provisions of any other law, for the time being in force, every foreign portfolio investor shall preserve the books of accounts, records and documents specified in regulation 29 for a minimum period of five years from the date of approval of the surrender or cancellation of registration by the Board.

CHAPTER VI

GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES OF DESIGNATED DEPOSITORY PARTICIPANTS

Obligations and responsibilities of designated depository participants.

31. (1) All designated depository participants who have been granted approval by the Board shall -

- (a) comply with the provisions of these regulations, as far as they may apply, circulars issued thereunder and any other terms and conditions specified by the Board from time to time;
- (b) forthwith inform the Board in writing, if any information or particulars previously submitted to the Board are found to be false or misleading, in any material respect;
- (c) forthwith inform the Board in writing, if there is any material change in the information previously furnished by him to the Board;
- (d) furnish such information, record or documents to the Board and Reserve Bank of India, as may be required, in relation to its activities as a designated depository participant;
- (e) ensure that only registered foreign portfolio investors are allowed to invest in securities market;
- (f) have adequate systems to ensure that in case of jointly held depository accounts, each of the joint holders meet the requirements specified for foreign portfolio investors and shall perform KYC due diligence for each of the joint holders;
- (g) in case of any penalty, pending litigation or proceedings, findings of inspections or investigations for which action may have been taken or is in the process of being taken by any regulator against a designated depository participant, the designated depository participant shall bring such information forthwith, to the attention of the Board, depositories and stock exchanges;
- (h) be guided by the relevant circular on Anti-Money Laundering or Combating the Financing of Terrorism specified by the Board from time to time.

(2) The designated depository participant engaged by an applicant seeking registration as foreign portfolio investor shall -

- (a) ascertain at the time of granting registration and whenever applicable, whether the applicant forms part of any investor group;
- (b) open a dematerialized account for the applicant only after ensuring compliance with all the requirements under Prevention of Money Laundering Act, 2002 and rules and regulations specified thereunder, Financial Action Task Force standards and circulars issued by the Board in this regard, from time to time and shall also ensure that foreign portfolio investors comply with all these requirements on an ongoing basis;
- (c) carry out necessary due diligence to ensure that no other depository account per depository is held by any of the concerned applicant as a foreign portfolio investor, before opening a depository account

Provided that a foreign portfolio investor can open separate depository accounts for holding securities under the Voluntary Retention Route or any other scheme as specified by the Reserve Bank of India or the Board;

- (d) collect and remit fees to the Board, in the manner as specified in Part A of Second Schedule; and
- (e) in case of change in structure or constitution or direct or indirect change in common ownership or control reported by the foreign portfolio investor, re-assess the eligibility of such foreign portfolio investor.

(3) The designated depository participant shall maintain segregation of activities such that there is no conflict of interest between the activity of grant of registration to a foreign portfolio investor in the capacity of a designated depository participant and its other activities.

(4) The designated depository participant shall submit the reports as specified by the Board from time to time.

(5) The designated depository participant shall carry out an annual review of its systems, procedures and controls by an independent professional.

Explanation: The review shall cover the systems and procedures being followed by them to meet its obligations towards its clients, regulators and other relevant bodies and compliance with the requirements of the regulations and circulars issued by the Board.

(6) The designated depository participant shall furnish to the Board annual audit reports on its internal control for a particular calendar year within ninety days of the next calendar year.

(7) The designated depository participant shall submit the Action Taken Report, if any, on the audit report on a quarterly basis to the Board.

Maintenance of proper books of accounts, records and documents.

32. (1) Every designated depository participant shall maintain the relevant true and fair records, books of accounts, and documents including the physical or electronic records relating to registration of foreign portfolio investors.

(2) The designated depository participant shall intimate to the Board in writing the location where such books, records and documents shall be maintained.

(3) Subject to the provisions of any other law for the time being in force, every designated depository participant shall preserve the books of accounts, physical or electronic records and documents specified in this regulation at all times.

Appointment of compliance officer.

33. (1) Every designated depository participant shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines and instructions issued by the Board or the Central Government.

(2) The compliance officer shall immediately and independently report any non-compliance observed by him to the Board.

Information to the Board or the Reserve Bank of India.

34. Every designated depository participant shall, as and when required by the Board or the Reserve Bank of India, submit to the Board or the Reserve Bank of India, as the case may be, any information, such records or documents in relation to its activities of foreign portfolio investor.

Investment advice in publicly accessible media.

35. (1) A designated depository participant, or any of its employees shall not render directly or indirectly any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real-time or otherwise, unless a disclosure of its interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

(2) In case, an employee of the designated depository participant is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and his employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.

CHAPTER VII
INSPECTION

Board's right to inspect.

36. The Board may *suo moto* or upon receipt of any information or complaint, appoint one or more persons as inspecting authority to undertake inspection of the books of account, records and documents relating to a designated depository participant for any of the following purposes, namely, -

- (a) to ensure that the books of account, records including telephone records and electronic records and documents are being maintained by the designated depository participants;
- (b) to ascertain whether any circumstances exist that would render the designated depository participants unfit or ineligible;
- (c) to inquire into the complaints received from investors, clients, other market participants or any other person on any matter having a bearing on the activities of the designated depository participants;
- (d) to ascertain whether the provisions of the securities laws and the directions or circulars issued thereunder are being complied with by the designated depository participants;
- (e) to ascertain whether the systems, procedures and safeguards which have been established and are being followed by the designated depository participants are adequate; and
- (f) to investigate *suo moto* into the affairs of the designated depository participants in the interest of the securities market or in the interest of investors.

Notice before inspection.

37. (1) Before undertaking an inspection under regulation 36, the Board shall give not less than ten days' notice to the designated depository participants:

Provided that where the Board is satisfied that, in the interest of the investors, no such notice should be given, it may, by an order in writing direct that such inspection be taken up without such notice.

(2) During the course of an inspection, the designated depository participants against whom the inspection is being carried out shall be bound to discharge its obligation as provided in regulation 38.

Obligations of designated depository participants in connection with inspection by the Board.

38. (1) It shall be the duty of the designated depository participants whose affairs are being inspected, and of every director, officer and employee thereof to produce to the inspecting officer such books, securities, accounts, records and other documents in its custody or control and furnish him with such statements and information relating to its activities, as the inspecting officer may require, within such reasonable period as the inspecting officer may specify.

(2) The designated depository participants shall allow the inspecting officer to have reasonable access to the premises occupied by such designated depository participant or by any other person on its behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the designated depository participants or such other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the inspecting officer are relevant for the purposes of the inspection.

(3) The inspecting officer, in the course of inspection, shall be entitled to examine or to record the statements of any director, officer or employee of the designated depository participants.

(4) It shall be the duty of every director, officer or employee of the designated depository participants to give to the inspecting officer all assistance in connection with the inspection, which the inspecting officer may reasonably require.

Submission of report to the Board.

39. The inspecting officer shall, as soon as possible, on completion of the inspection or investigation as the case may be, submit a report to the Board:

Provided that if directed to do so by the Board, the inspecting officer may submit interim report(s).

Action on inspection report.

40. The Board shall after consideration of the inspection report, take such action as it may deem fit including action under Chapter V of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008.

Appointment of an auditor.

41. The Board shall have the power to appoint an auditor to inspect or investigate, as the case may be, into the books of account, records, documents, infrastructures, systems and procedures or affairs of the applicant or the designated depository participants, as the case may be:

Provided that the auditors so appointed shall have the same powers as vested in the inspecting officer under regulation 36 and the applicant or designated depository participants and its directors, officers and employees shall be under the same obligations, towards the auditor so appointed, as are mentioned in regulation 38.

Board to recover the expenses.

42. The Board shall be entitled to recover from the designated depository participants or applicant, as the case may be, such expenses including the fees paid to the auditors as may be incurred by it for the purposes of inspecting or investigating the books of account, records, documents, infrastructures, systems and procedures or affairs of the designated depository participants or applicant, as the case may be.

CHAPTER VIII

PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

Liability for action in case of default.

43. A foreign portfolio investor, designated depository participant, depository or any other person who contravenes any of the provisions of these regulations shall be liable for action under the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008 or the relevant provisions of the Act or the Depositories Act, 1996 and the regulations made thereunder.

CHAPTER IX

MISCELLANEOUS

Power of the Board to issue clarifications.

44. In order to remove any difficulties in the application or interpretation of the provisions of these regulations, the Board may issue clarifications and guidelines in the form of circulars or issue separate circular or guidelines or framework for each category of foreign portfolio investors or designated depository participant.

Repeal, rescission and saving.

45. (1) The Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2014 shall stand repealed.

(2) Notwithstanding such repeal—

- (a) anything done or any action taken or purported to have been done or taken, including registration or approval granted, fees collected, registration or approval, suspended or cancelled, any adjudication, enquiry or investigation commenced or show-cause notice issued under the repealed regulations, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;
- (b) a foreign portfolio investor registered under the Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investor) Regulations, 2014 shall be re-categorised by their respective designated depository participant;
- (c) any offshore derivative instrument issued under the Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2014 before the commencement of these regulations shall be deemed to have been issued under the corresponding provisions of these regulations;
- (d) any application made to the Board under the repealed regulations, prior to such repeal, and pending before it shall be deemed to have been made under the corresponding provisions of these regulations; and
- (e) the previous operation of the repealed regulations or anything duly done or suffered thereunder, any right, privilege, obligation or liability acquired, accrued or incurred under the repealed regulations, any penalty, incurred in respect of any violation committed against the repealed regulations, or any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty as aforesaid, shall remain unaffected as if the repealed regulations has never been repealed;

(3) After the repeal of Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2014, any reference thereto in any other regulations made, guidelines or circulars issued thereunder by the Board shall be deemed to be a reference to the corresponding provisions of these regulations.

FIRST SCHEDULE
SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
(FOREIGN PORTFOLIO INVESTORS) REGULATIONS, 2019

[See regulation 7(1)]

CERTIFICATE OF REGISTRATION

I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (the “Act”), read with the regulations made thereunder the Board hereby grants a certificate of registration to _____ as a foreign portfolio investor, subject to the conditions specified in the Act and in the regulations made thereunder.

II. The category and sub-category of the foreign portfolio investor is _____ and _____ respectively.

III. The registration number for the foreign portfolio investor is .../.../.../.../....

IV. The address of the foreign portfolio investor is _____.

V. This certificate shall be valid till it is suspended, cancelled or surrendered in accordance with the Securities and Exchange Board of India (Foreign Portfolio Investors) Regulations, 2019.

Date:

Place:

By Order

Signature

Name and Designation of the Authorised Signatory of

Designated depository participant

Issued on behalf of

Securities and Exchange Board of India

SECOND SCHEDULE

PART A

PAYMENT OF FEES APPLICABLE TO FOREIGN PORTFOLIO INVESTOR

[See regulation 3 and regulation 7(3)]

Registration Fee

- (1) Foreign portfolio investor belonging to Category I and II shall pay registration fees of US \$ 3000 and US \$300, respectively or any other amount specified by the Board from time to time at the time of submission of the Form to the designated depository participant.
- (2) Foreign portfolio investor belonging to Category I and II shall pay registration fees for every block of three years, till the validity of its registration,
- (3) International or multilateral agency such as World Bank and other institutions, established outside India for providing aid, which have been granted privileges and immunities from payment of tax and duties by the Central Government shall be exempted from the payment of registration fees.
- (4) The designated depository participants of the respective foreign portfolio investors shall collect the registration fees in advance once in every three years from all the foreign portfolio investors registered by it, and remit the fees to the Board in the manner specified by the Board from time to time.
- (5) Every designated depository participant shall remit the fees collected from the foreign portfolio investors during the immediate preceding month, to the Board, by 5th working day of every month, along with the details in the format, as may be specified from time to time.

PART B

PAYMENT OF FEES APPLICABLE TO DESIGNATED DEPOSITORY PARTICIPANT

[See regulation 10(2) and regulation 13(1)]

- (1) Every designated depository participant shall pay application fees and approval fees, before commencement of its activity.
- (2) Every designated depository participant shall pay application fees of ` 10,000/- at the time of making application, by way of direct credit through NEFT/RTGS/IMPS in the bank account in the name of "Securities and Exchange Board of India" payable at Mumbai.
- (3) Every designated depository participant shall pay approval fees of ` 5,00,000/- by way of direct credit through NEFT/RTGS/IMPS in the bank account in the name of "Securities and Exchange Board of India" payable at Mumbai, at the time of grant of prior approval by the Board.

PART C

COLLECTION OF REGULATORY FEES BY FOREIGN PORTFOLIO INVESTOR FROM ODI SUBSCRIBERS

[See sub-regulation (4) of Regulation 21]

Regulatory Fee

- (1) A foreign portfolio investor shall collect the regulatory fee of US \$ 1000 or any other amount, as may be specified by the Board from time to time, from every subscriber of offshore derivative instrument issued by it and deposit the same with the Board by way of electronic transfer in the designated bank account of the Board.
- (2) The regulatory fee shall be deposited once every three years beginning April 1, 2017.

THIRD SCHEDULE

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (FOREIGN PORTFOLIO INVESTORS) REGULATIONS, 2019

CODE OF CONDUCT

[See regulation 23]

1. A foreign portfolio investor and its key personnel shall observe high standards of integrity, fairness and professionalism in all dealings in the Indian securities market with intermediaries, regulatory and other government authorities.

2. A foreign portfolio investor shall, at all times, render high standards of service, exercise due diligence and independent professional judgment.
3. A foreign portfolio investor shall ensure and maintain confidentiality in respect of trades done on its own behalf or on behalf of its clients.
4. A foreign portfolio investor shall ensure the following –
 - (a) Clear segregation of its own money and securities and that of its client's money and securities.
 - (b) Arm's length relationship between its business of fund management/investment and its other business.
5. A foreign portfolio investor shall maintain an appropriate level of knowledge and competency and abide by the provisions of the Act, regulations made thereunder and the circulars and guidelines, which may be applicable and relevant to the activities carried on by it. Every foreign portfolio investor shall also comply with award of the Ombudsman and decision of the Board under Securities and Exchange Board of India (Ombudsman) Regulations, 2003.
6. A foreign portfolio investor shall not make any untrue statement or suppress any material fact in any documents, reports or information to be furnished to the designated depository participant and/or Board.
7. A foreign portfolio investor shall ensure that good corporate policies and corporate governance policies are observed by it.
8. A foreign portfolio investor shall ensure that it does not engage in fraudulent and manipulative transactions in the securities listed in any stock exchange in India.
9. A foreign portfolio investor or any of its directors or managers shall not, either through its/his own account or through any associate or family members, relatives or friends indulge in any insider trading.
10. A foreign portfolio investor shall not be a party to or instrumental for – a) creation of false market in securities listed or proposed to be listed in any stock exchange in India; b) price rigging or manipulation of prices of securities listed or proposed to be listed in any stock exchange in India; c) passing of price sensitive information to any person or intermediary in the securities market.

AJAY TYAGI, Chairman

[ADVT.-III/4/Exty./222/19]